मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 149
शुक्रवार, 13 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गांवों का विकास जरूरी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश की 64 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गांवों का विकास महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने 45 पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि सरकार ने ठोस परिणाम हासिल करने के उद्देश्य से पिछले दशक में पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए गंभीर प्रयास किए हैं।

मुर्मू ने कहा, आत्मनिर्भर और सक्षम स्थानीय निकायों के आधार पर ही विकसित भारत की नींव रखी जा सकती है। पंचायतों को अपने राजस्व के स्रोत विकसित कर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए। यह आत्मनिर्भरता ग्राम सभाओं को आत्मविश्वास और देश को मजबूती प्रदान करेगी।

एक बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति ने कहा कि देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या गांवों में रहती है। उन्होंने कहा, इसलिए, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गांवों और ग्रामीणों का विकास और सशक्तीकरण महत्वपूर्ण है। जमीनी स्तर पर समावेशी और सतत विकास को आगे बढ़ाने में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए 45 पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किए गए। इन पंचायतों में से 17 का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

मुर्मू ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उनके समर्पण और प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान उन्हें और भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करेगा तथा अन्य ग्राम पंचायतों को भी ग्राम विकास की दिशा में सार्थक प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बना रही हैं।

उन्होंने कहा, यह प्रसन्ता की बात है कि महिला प्रतिनिधि जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुर्मू ने उनसे पंचायतों में निर्वाचित प्रतिनिधियों के रूप में निडरतापूर्वक और पूरी दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया।

सागरिका घोष ने किरेन रिजिजू के खिलाफ पेश किया विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव, 60 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ एक विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया, जिसमें उन पर संसद में विपक्षी सदस्यों का बार-बार अपमान करके अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया। घोष ने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में रिजिजू की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि संसदीय कार्यवाही के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाई हूं। वह संसदीय कार्य मंत्री हैं और संसद सत्र का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। सागरिका घोष ने आगे कहा कि लेकिन हम देख रहे हैं कि वह लगातार विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। वह विपक्ष का अपमान करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रस्ताव के हिस्से के रूप में, घोष ने आगे भाजपा नेता से माफी की मांग की। एक सूत्र ने बताया कि विशेषाधिकार प्रस्ताव नोटिस पर विपक्षी दलों के 60 नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। यह नोटिस

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर उनके हमलों के जवाब में रिजिजू द्वारा विपक्षी सांसदों की आलोचना करने और उन्हें सदन में रहने के लायक नहीं कहने के एक दिन बाद सौंपा गया था। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि यदि आप आसन का सम्मान नहीं कर सकते तो आपको इस सदन का सदस्य होने का अधिकार नहीं है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के 60 सांसदों ने धनखड़ के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मंगलवार को एक नोटिस सौंपा था। विपक्षी सांसदों ने धनखड़ पर उच्च सदन के सभापति के रूप में अत्यंत पक्षपातपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

समाज के सभी वर्गों को अधिकार देने की जरूरत हैं: हेमंत सोरेन

रांची, 12 दिसम्बर। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचितों और शोषितों को अधिकार दिए जाने की जरूरत है। सोरेन ने यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक को संबोधित किया।

बाद में एक्स पर एक पोस्ट में सोरेन ने कहा, आज रांची में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक में शामिल हुआ। संघर्ष से उपजी पार्टी है झारखण्ड मुक्ति मोर्चा। यही कारण है कि हमने हमेशा हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी है। लड़कर जीत हासिल की है, कभी हार नहीं मानी है।उन्होंने कहा, विगत विधानसभा चुनाव में आप सभी कर्मठ नेताओं और जुझारू कार्यकताओं की कड़ी मेहनत तथा करोड़ों राज्यवासियों के आशीर्वाद के फलस्वरूप झारखण्ड में मजबूत अबुआ सरकार का गठन हुआ। आप सभी को इसके लिए हार्दिक बधाई और जोहार।

उन्होंने कहा, आने वाले समय में हमें झामुमो परिवार की जड़ों को राज्य के प्रत्येक कोने में पंहुचा मजबूत करने का काम करना है; वंचित, शोषित समेत समाज के सभी वर्ग को हक-अधिकार देने का काम करना है। झामुमो नीत गठबंधन 23 नवंबर को झारखंड में लगातार दूसरी बार सत्ता में आया था। उसने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट हासिल की थीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 24 सीट मिली थीं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ पर फिर साधा निशाना

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर से सभापति जगदीप धनखड़ पर निशाना साधा है। खड़गे ने कहा कि राज्यसभा में विपक्ष के बोलने का अधिकार और विचारों की अभिव्यक्ति का हनन आम बात हो गई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राज्यसभा के सभापति धनखड़ लगातार टीकाटोकी कर तथा सत्यापन की अनावश्यक जिद कर विपक्ष की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सदैव दबाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा के सभापति सदन के बाहर विपक्ष के नेताओं की बार-बार आलोचना करते हैं, अक्सर सत्तारूढ़ दल की दलीलें दोहराते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष समेत विपक्षी सदस्यों के भाषणों के महत्वपूर्ण अंशों को राज्यसभा के सभापति मनमाने एवं दुभार्वनापूर्ण तरीके से सदन की कार्यवाही से निकालने का नियमित रूप से निर्देश देते रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने मूर्तियों को दूसरी जगह स्थापित करने, सुरक्षा तंत्र में बदलाव जैसे मामलों पर एकतरफा फैसले किये। खरगे ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया और कहा कि उनके आचरण से निष्पक्षता के बारे में गंभीर चिंता पैदा होती है।

अपने पोस्ट में खड़गे ने लिखा कि अध्यक्ष सदन में और सदन के बाहर भी सरकार की अनुचित चापलूसी करते दिखते हैं। प्रधानमंत्री को महात्मा गांधी के बराबर बताना, या प्रधानमंत्री की जवाबदेही की माँग को ही गलत ठहराना, ये सब हम देखते आए हैं। अगर विपक्ष वॉकआउट करता है तो उसपर भी टिप्पणी करते हैं, जबकि वॉकआउट संसदीय परंपरा का ही हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि सभापति ने रूल 267 के तहत कभी भी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दी है। विपक्षी सदस्यों को नोटिस पढ़ने की भी अनुमति नहीं देते हैं। जबकि पिछले तीन दिनों से सत्ता पक्ष के सदस्यों को नाम बुला बुला कर रूल 267 में नोटिस पर बुलवा रहे हैं।उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों को मंत्रियों के स्टेटमेंट पर अब सवाल नहीं पूछने देते हैं। राज्यसभा में स्टेटमेंट पर स्पष्टीकरण की परंपरा थी, वो भी बंद कर दी है। संसद में सदस्यों को अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है।

लेकिन सभापति महोदय विपक्ष को लगातार टोकते हैं, उन्हें अपनी बात पूरी करने का मौका नहीं देते हैं। विपक्ष से बिना वजह प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, जबकि सत्ता पक्ष के सदस्यों को, मंत्रियों को और प्रधानमंत्री को कुछ भी कहने देते हैं। वो कोई भी झूठ सदन में कह दें, कोई भी फेक न्यूज फैला दें, उन्हें कभी नहीं रोकते। लेकिन विपक्ष के सदस्यों को मीडिया की रिपोर्ट को भी प्रमाणित करने को कहते हैं। और ऐसा न करने पर उन पर कार्यवाही करने की धमकी देते हैं।

सड़क पार कर रहे व्यक्तियों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

गाजियाबाद, 12 दिसम्बर। गाजियाबाद जिले के क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में सड़क पार कर रहे कुछ लोगों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसकी वजह से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि घटना मंगलवार रात को हुई। शहर में स्थित विजय नगर कॉलोनी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या नौ पर सड़क पार कर रहे चार लोगों को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिसकी वजह से वे गंभीर रूप से घायल हो गये। क्रॉसिंग रिपब्लिक की थानाध्यक्ष प्रीति गर्ग ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के दादरी के निवासी पवन कुमार (45) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि तीन अन्य घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां

इलाज के दौरान दो महिलाओं सुनीता (38) और नीलम (45) की बुधवार को मौत हो गई। उन्होंने बताया कि श्वेता (35) का दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। गर्ग ने बताया कि हादसे के शिकार लोग बस से उतरकर विजय नगर में बागू कॉलोनी अंडरपास से सड़क पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 104वें दीक्षांत में मिलेगी 14072 मेधावियों को उपाधि

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 104वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां पूरी हो चुकी है। समारोह में 14072 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएंगी। मुख्य कार्यक्रम स्वतंत्रता भवन में प्रातः 9.30 बजे से आरंभ होगा। यह जानकारी विश्व विद्यालय के कुलपति सुधीर कमार जैन ने दी। गुरुवार को केन्द्रीय कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि संस्थानों व संकायों में आयोजित होने वाले उपाधि वितरण समारोहों में कुल 544 पदक व पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम में मंच से 30 विद्यार्थी पदक प्राप्त करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात वैश्विक उद्यमी तथा सुरक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के जय चौधरी होंगे।

प्रो. जैन ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन से पुराछात्र बनने का एक महत्वपूर्ण व स्मरणीय अवसर होता है। उन्होंने कहा, दीक्षांत में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जीवन भर इस क्षण को याद करते हैं। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व पुराछात्रों का संस्थान के साथ एक विशिष्ट संबंध है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस विश्वविद्यालय में मूल्यों व सिद्धांतों की शिक्षा देने के साथ साथ हम एक परिवार के रूप में उनका अनुसरण भी करते हैं। कुलपति जी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पुराछात्रों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के साथ निरंतर जुड़े रह कर संस्थान की विकास गाथा में भागी बनें।

उन्होंने उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों तथा पुराछात्रों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के पोर्टल से जुड़ें। कुलपति ने बताया कि इस वर्ष का दीक्षांत प्रदान की जा रही उपाधियों के लिहाज से अत्यंत विशेष हैं। उन्होंने बताया कि डिग्रियों में सुरक्षा फीचर आरंभ किये जा रहे हैं और इनके लिए एक कूआर कोड उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कोड के माध्यम से शिक्षण संस्थान अथवा हमारे विद्यार्थियों को नियुक्तियां दे रहे संस्थान जानकारियों की तुरंत जांच कर सकेंगे। यह क्यू आर कोड विद्यार्थियों के बारे में आवश्यक जानकारी जैसे पंजीकरण संख्या, कोर्स आदि की सूचना उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा फोटोकॉपी करने पर डिग्री की प्रति पर कॉपी अंकित होगा, जिससे उसकी अवैध नकल पर रोक लग सकेगी। डिग्रियों में सुरक्षा फीचर उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय के कामकाज में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रख्यात वैश्विक उद्यमी तथा सुरक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक प्रमुख हस्ती जय चौधरी दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि हैं। क्लाउड सुरक्षा की एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनी जिस्केलर के सीईओ, अध्यक्ष तथा संस्थापक जय चौधरी ने वर्ष 1980 में विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अब आईआईटी-बीएचयू) से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त की थी। सुरक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्होंने अनेक ऐसे समाधान खोजे हैं, जो उभरती तकनीकों को सुरक्षित रूप से स्थापित करने में उपयोगी साबित हो रहे हैं।

ऊर्जा संरक्षण से होगी बिजली की जरुरते पूरी

-रमेश सर्राफ धमोरा

14 दिसंबर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

हमारे जीवन में प्रतिदिन के विभिन कार्यो के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ-साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। हम प्रतिदिन विभिन रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते है। अतः भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यो के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है। जिससे वर्तमान की आवश्यता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग ना करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य को करना।

भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की।

देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है। क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है।

भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी। जिसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर-जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल। देश में कोयले से 205,235 मेगावाट अथवा 49.3 प्रतिशत, लिग्नाइट से 6620 मेगावाट, हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46,850 मेगावाट यानि कुल क्षमता का 11.3 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का योगदान 24,824 मेगावाट यानि क्षमता का महज 6 प्रतिशत और परमाणु ऊर्जा से 6780 मेगावाट, सौर उर्जा से 66,780 मेगावाट यानि 16.1 प्रतिशत, डीजल से 589 मेगावाट यानि 0.1 प्रतिशत, हवा से 42,633 मेगावाट यानि 10.2 प्रतिशत, बायो मास पावर/कोजेन से 10,248 मेगावाट, अपशिष्ट से 554 मेगावाट, लघु हाइड्रो से 4944 मेगावाट, नाभिकीय से 6780 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिये देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा।

बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिये बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनो से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये। सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्त्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगी। यह दुख का विषय है कि बहुत लम्बे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके।

हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है। लेकिन उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाई है। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज, पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। ऊर्जा की बचत किये बिना हम विकसित राष्ट्र का सपना नहीं देख सकते हैं।

आज जिस तेजी के साथ हम प्राकृतिक और परम्परिक ऊर्जा के स्त्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। उस रफ्तार से 40 साल बाद हो सकता है हमारे पास तेल और पानी के बड़े भंडार खत्म हो जाए। इस स्थिति में हमें ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों यानि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। लेकिन ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों को इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल है और इस क्षेत्र में कार्य अभी प्रगति पर है। इन स्त्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए कई तरह के वैज्ञानिक शोध चल रहे हैं जिनके परिणाम आने और आम जीवन में इस्तेमाल लाने के लायक बनाने में अभी समय लगेगा। इसे देखते हुए अगर हमने अभी से ऊर्जा के स्त्रोतों का संरक्षण करना शुरू नहीं किया तो आगे चलकर हालात बहुत बदतर हो सकते हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि देश के अब सभी 5 लाख 97 हजार 464 गांवों का विद्युतीकरण हो गया है। सरकार की परिभाषा के मुताबिक वे गांव इलेक्ट्रिफ़ाइड माने जाते हैं। जहां बेसिक इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हो और गांव के 10 फीसदी मकानों और सार्वजनिक जगहों पर बिजली हो। बिजली में बीते एक दशक के दौरान बढ़ती आबादी, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच, विद्युतीकरण की दर तेज होने और सकल घरेलू आय में वृद्धि की वजह से ऊर्जा की मांग में काफी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मांग को सौर ऊर्जा के जरिए आसानी से पूरा किया जा सकता है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अब विदेशी कंपनियों की निगाहें भी भारत पर हैं। आज विश्व का हर देश कागजी स्तर पर तो ऊर्जा संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करता है। लेकिन ऊर्जा की बर्बादी में सबसे आगे रहता है। अगर भारत की बात की जाए तो यहां विश्व के पाएं जाने वाली ऊर्जा का बहुत कम प्रतिशत हिस्सा पाया जाता है। लेकिन इसकी तुलना में हम इसको कहीं ज्यादा खर्चा करते हैं। हमारे देश में आज ऊर्जा बचत के उपायों को शीघ्रतापूर्वक और सख्ती से अमल में लाए जाने की जरूरत है। इसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी होनी चाहिए। हर संभव ऊर्जा बचत करें तथा औरों को भी इसका महत्व बताएं।

सनी देओल की आगामी फिल्म जाट के टीजर ने मचाई धूम

पटना। बॉलीवुड के एक्शन सुपरस्टार सनी देओल एक बार फिर अपने दमदार एक्शन और मसल मसाला अवतार में वापस आ रए हैं! हाल ही में उनकी आगामी फिल्म 'जाट' का टीजर रिलीज हुआ जिसमें धमाकेदार स्टंट्स और हाई-ऑक्टेन एक्शन का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। इस टीजर को पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए दुनिया भर में 12,500 स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जो भारतीय सिनेमा में अब तक का सबसे बड़ा टीजर लॉन्च है। इस टीजर लांच के दौरान सिनेमाघरों में बहुत ही शानदार माहौल था क्योंकि दर्शक सनी देओल की जबरदस्त परफॉर्मेंस और एक्शन-पैक्ड सीक्वेंस को देखकर उत्साह से झूम उठे। यह टीजर एक बार फिर इस बात का सबूत देता है कि सनी देओल इंडियन सिनेमा के असली एक्शन हीरो क्यों हैं। गोपिचंद मालनेनी के डायरेक्शन में और मिथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री के प्रोडक्शन के साथ, 'जाट' एक्शन जॉनर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। फिल्म में रंदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कासांड्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जो कहानी को और भी मजबूत बनाएंगे।

दहेज के झूठे कानूनों में कब तक पुरुष हलाल होते रहेंगे?

अशोक भाटिया

सोशल मीडिया पर इन दिनों अतुल सुभाष सुसाइड केस चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलुरु में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने लगभग डेढ़ घंटे के वीडियो में बताया है कि उनकी पत्नी, उनके परिवार और फैमिली कोर्ट की जज ने उन्हें परेशान किया। इन आरोपों के बाद इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली। इस केस के बाद सोशल मीडिया से लेकर देशभर में चर्चा चल रही है कि लड़कियां लड़कों पर झूठे आरोप लगाती हैं और कानून का गलत इस्तेमाल करती हैं। अभी तो चर्चा हो रही है पर इससे कुछ नहीं बदलने वाला। ना ये सिस्टम, ना सिस्टम की सोच। ना पुलिस का रवैया। ना न्याय प्रणाली की रफ्तार। ना सुधरेगा भ्रष्टाचार। कुछ भी इसलिए नहीं बदलेगा, क्योंकि हमारे देश में एक दिन अचानक जागकर फिर लंबी गहरी नींद में सो जाने वाली सोच समाज में फैली है। जिसे क्रांति तो चाहिए लेकिन अपने घर से नहीं। इसी सोच की वजह से सिस्टम जस का तस बना रहता है। अतुल सुभाष ने खुदकुशी से 24 पन्नों का जो सुसाइड नोट लिखा हैऔर 81 मिनट का वीडियो बनाया है। इनमें उन्होंने अपनी पूरी व्यथा कथा कह डाली है। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा, ्रमेरे ही टैक्स के पैसे से ये अदालत, ये पुलिस और पूरा सिस्टम मुझे और मेरे परिवार और मेरे जैसे और भी लोगों को परेशान करेगा। और मैं ही नहीं रहूंगा तो ना तो पैसा होगा और न ही मेरे माता-पिता, भाई को परेशान करने की कोई वजह होगी।" अतुल को लगता है कि उनको या उनके जैसे लोगों को न्याय मिलेगा?

देखने वाली बात यह है कि क्या जो आरोप लगे हैं उसके आधार पर जांच करके अतुल सुभाष को न्याय मिलेगा? या फिर कल, आज और कल या फिर कुछ दिन और सब चर्चा करके भूल जाएंगे? सॉरी अतुल सुभाष! कुछ भी नहीं बदलने वाला! जिन माता-पिता और परिवार को सिस्टम के क्रूर पंजों से बचाने के लिए अतुल अपनी जान दे गए, क्या वो बुजुर्ग अब न्याय पाएंगे? मां बेंगलुरु में श्मशान घाट पर अपने बेटे के अंतिम संस्कार के वक्त खुद को संभाल नहीं पाईं। पूरी रात रोते बीती। एयरपोर्ट पर बेहोश हो गईं इसके बाद भी कुछ नहीं बदलेगा।

गौरतलब है कि एक मामले की सुनवाई करते जस्टिस बीआर गवई ने कहा था कि नागपुर में मैंने एक ऐसा मामला देखा था, जिसमें एक लड़का अमेरिका गया था और उसे शादी किए बिना ही 50 लाख रुपए देने पड़े थे। वो एक दिन भी साथ नहीं रहा था। मैं खुले तौर पर कहता हूं कि घरेलू हिंसा और धारा 498ए का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने भी तेलंगाना के एक मामले में सुनवाई करते हुए इसके दुरुपयोग की बात कही थी।अगस्त में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 498ए के दुरुपयोग पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि दादा-दादी और बिस्तर पर पड़े लोगों को भी फंसाया जा रहा है। मई में केरल हाईकोर्ट ने कहा था कि पत्नियां अक्सर बदला लेने के लिए पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ऐसे मामले दर्ज करवा देती हैं। ज्ञात हो कि दहेज कुप्रथा को रोकने के लिए हमारे देश में कई कानून बनाए हैं। असहाय महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम करने के लिए कानून बनाने पर जोर दिया गया था। इसके चलते दहेज निषेध अधिनियम, 1961 बना। दहेज की मांग के बाद घरेलू हिंसा की घटनाएं भी सामने आती रही हैं ऐसे में 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005' पारित किया गया इसके साथ ही पुरानी आईपीसी में दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए कई प्रावधान किए गए थे। आईपीसी की धारा 498 दहेज से पहले और बाद में किसी भी रूप में उत्पीड़न को दंडनीय और गैर-जमानती बनाती है। 1983 में संसद द्वारा एक आपराधिक अधिनियम 'आईपीसी 498 ए' पारित किया था जो कहता था कि दहेज वसूलने के लिए की गई क्रूरता पर तीन या अधिक वर्षों की अवधि की सजा और जुमार्ना देना होगा। दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए आईपीसी 1961 में एक नई धारा 'आईपीसी 304 बी' जोड़ी गई। आईपीसी 304 बी में 'दहेज हत्या' का जिक्र है। भारतीय दंड संहिता की धारा 304 बी में कहा गया है कि अगर किसी महिला की शादी के सात साल के भीतर किसी भी जलने या शारीरिक चोट से मृत्यु हो जाती है या यह पता चला है कि उसकी शादी से पहले वह अपने पति या पति के किसी अन्य रिश्तेदार द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न के संपर्क में थी। दहेज मांगने का संबंध तब महिला की मृत्यु को दहेज मृत्यु माना जाएगा। दहेज हत्या के लिए सजा सात साल के कारावास की न्यूनतम सजा या आजीवन कारावास की अधिकतम सजा है। कानून पारित होते ही दहेज उत्पीड़न के हजारों मामले दर्ज होने लगे। कई बार यह विवाहित महिला के लिए सुरक्षा के बजाय हथियार बन गया जिस पर समय-समय पर अदालतों ने भी चिंता जताई।

पिछले दिनों नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) से सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए सवाल के जवाब के हवाले से एक खबर आई थी। उससे पता चला कि एक साल में करीब सवा लाख मुकदमे झूठे पाए गए। ये मुकदमे दूसरों को फंसाने के लिए दर्ज कराए गए थे। जिन लोगों पर मुकदमे किए गए थे, उनके खिलाफ आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी यानी वे झूठे थे। कहीं रास्ते के विवाद में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया गया। कहीं विरोधी पर दबाव बनाने के लिए छेड़खानी का मुकदमा तो कहीं दुश्मनी निकालने के लिए मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया गया।

इन मुकदमों में फंसने के बाद लोगों का जीवन तबाह हो गया। बिना मतलब की भागदौड़ हुई, ऊपर से पैसा और समय लगा। समाज में लोगों के तरह-तरह के ताने सुनने को मिले। देखा जाए तो इस तरह के मामले नए नहीं हैं। कुछ लोग बदला लेने के लिए कुछ भी करते हैं। आरोप किसी एक आदमी पर नहीं, बल्कि पूरे परिवार पर लगा देते हैं। इनमें बड़ी संख्या में स्त्रियां भी होती हैं। यहां तक कि कई बार बच्चों को भी नहीं बख्शा जाता। खेत की मेड़ जरा-सी इधर-उधर हुई नहीं कि मुकदमे से लेकर खून-खराबे तक बात पहुंच जाती है। हत्याएं तक हो जाती हैं। ऐसे में महाभारत का वह अंश याद आता है जहां दुर्योधन कहता है कि वह पांडवों को सुई की नोक के बराबर भी जमीन नहीं देगा। परिणामस्वरूप इतना बड़ा युद्ध और सर्वनाश हुआ। न कौरव बचे, न ही पांडव राज कर पाए।

आखिर कानूनों में इतनी खामियां क्यों हैं कि कोई किसी के भी खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा देता है। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाता है, उसके पास यदि इतने संसाधन न हों कि वह कानूनी लड़ाई लड़ सके तो उसे सजा भी मिल जाती होगी। बहुत साल पहले फांसी पाए कैदियों की एक रिपोर्ट पढ़ी थी। उसमें अधिकांश ने कहा था कि उन्होंने किसी को नहीं मारा। ग्राम प्रधान या सरपंच ने अपने किसी को बचाने के लिए उनका नाम लिखवा दिया। उन्हें न कानून की कोई जानकारी थी, न वकील को फीस देने के पैसे थे। उन पर अपराध सिद्ध हो गया। स्त्री रक्षा संबंधी कानूनों के तहत जिन पुरुषों और उनके घर वालों को मुकदमे झेलने पड़ते हैं, उनकी आफत का तो कहना ही क्या। कितने मामलों में यदि पुरुष विवाहित है तो पत्नियां ही घर छोड़कर चली जाती हैं। बहुत से लोग अपनी जीवनलीला समाप्त करने के बारे में सोचते हैं। यदि किसी बुजुर्ग पर ऐसे आरोप लगाए जाते हैं तो उसकी खैर नहीं रहती। कुछ साल पहले इंदौर की एक घटना प्रकाश में आई थी। उसमें जमीन-जायदाद के विवाद में परिवार की बहू ने बुजुर्ग के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। बुजुर्ग को इससे इतनी पीड़ा पहुंची कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। ऐसा और भी न जाने कितने लोग करते होंगे। बहुत बार विवाह के बाद कुछ बहुएं संयुक्त परिवार में नहीं रहना चाहतीं तो दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले दर्ज करा देती हैं।

ऐसा नहीं है कि पुलिस को सच्चाई मालूम नहीं होती, लेकिन वह कहती है कि अगर किसी स्त्री ने ऐसे मामले दर्ज कराए हैं तो हमारे हाथ बंधे रहते हैं। सच जानते हुए भी वह कुछ कर नहीं सकती। दहेज प्रताड़ना और दुष्कर्म के मामलों में अक्सर पुरुषों की नौकरी तक चली जाती है। सताई गईं स्त्रियों को हर तरह से कानून और पुलिस की मदद मिलनी चाहिए, लेकिन बदले की भावना से किसी पर कोई भी आरोप लगा देना नितांत गलत है। कानून लोगों की मदद के लिए हैं, किसी को सताने के लिए नहीं। उनका दुरुपयोग रोका जाना चाहिए। अदालतें बार-बार इन बातों को दोहराती रहती हैं।

स्त्रियों को इस बात को जरूर समझना चाहिए कि ऐसा करके वे स्त्रियों का ही नुकसान करती हैं। लोगों का उन पर से भरोसा उठता है और कानूनों की ताकत भी कम होती है। एक बार किसी पर छेड़खानी, दुष्कर्म के आरोप लगा दिए जाएं तो सारा जमाना उसे दोषी मान लेता है, चाहे बाद में आरोप झूठे ही साबित हों। आखिर सफाई भी किस-किस के सामने दी जा सकती है कि भाई हमने ऐसा कुछ नहीं किया। सफाई देने वाले को तो यह भी मान लिया जाता है कि जरूर इसने कुछ किया होगा, तभी सफाई देता फिर रहा है।

यदि एनसीआरबी के आंकड़ों पर गौर करें तो हैरत होती है। एक साल में यदि ऐसे सवा लाख मुकदमे दर्ज हुए हैं, जो झूठे थे, जिनकी पुष्टि नहीं हो सकी तो हर साल अगर ऐसे मुकदमे दर्ज होते हों तो कितने लोगों का जीवन बर्बाद होता होगा। उनके परिवारों पर क्या गुजरती होगी? उनके बच्चे क्या महसूस करते होंगे? वे समाज का सामना कैसे करते होंगे? झूठे मुकदमे किसी पर भी हों और किसी भी प्रकरण में हों, बहुत तकलीफदेह हैं। मगर हमारे-आपके कहने से होता ही क्या है, जब तक वे लोग इन बातों पर गौर न करें, जो ऐसा करते हैं।

आजकल तो ऐसे गिरोह भी हैं, जो कानूनों का दुरुपयोग कर लोगों को ब्लैकमेल करते हैं और पैसे वसूलते हैं। पिछले ही दिनों ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं। न जाने क्यों सरकारें इस बारे में ध्यान नहीं देती हैं। वे कानून के डंडे से हर एक को हांकने में यकीन करती हैं। कानून लोगों की मदद करें, न कि उनमें भय पैदा करें, क्योंकि भयभीत आदमी को कोई भी अपना शिकार आसानी से बना लेता है। कानून लोगों को भरोसा दें कि किसी भी आपत्तिकाल में सब उसकी मदद ले सकते हैं।

काशी में धनाभिषेक, 17 करोड़ श्रद्धालु, टूरिज्म बमबम, कमाई 4500 करोड़ के पार

-सुरेश गांधी

काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण की तीसरी वर्षगांठ पर विशेष:

धार्मिक राजधानी काशी अब आर्थिक राजधानी बनने को अग्रसर है। या यूं कहे सबसे अधिक पर्यटकों वाला शहर बन गया है। इसने आगरा व मथुरा को भी पीछे छोड़ दिया है, जहां वर्ष 2022 में 6.5 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। दिसंबर 2021 में काशी विश्वनाथ धाम उद्घाटन होने के बाद से अब तक लगभग 17.6 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। पांच लाख वर्ग फुट में फैला यह कॉरीडोर वाराणसी पर्यटन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि के पीछे अहम कारण काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्विकास है, जिसमें गंगा क्रूज, विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती, गंगा घाटों का सौंदर्य, काशी की सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विरासत और बरसों पुरानी बुनाई की कला सम्मिलित है। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक जब से मंदिर का पुनर्विकास हुआ है, हर रोज लगभग एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। वहीं, सावन के महीने में यह संख्या बढ़कर 3 से 4 लाख और सोमवार को साढ़े 6 लाख से ज्यादा हो जाती है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने .बताया कि वर्ष 2023 (जनवरी से जून) तक 22979137 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार मे हाजिरी लगाईयह पिछले वर्ष से 1 करोड़, 5 लाख 15 हजार ,796 (1,05,15,796) अधिक है. वहीं धाम के पास 2023 के पहले छमाही में 38,29,77,214 था जबकि, 2024 की प्रथम छमाही में आमदनी 47,74,13890 हो गई है. यह 9 करोड़ 44 लाख 36 हजार ,676 (9,44,36,676) अधिक है.

फिरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से वाराणसी की आर्थिक तस्वीर बदल कर रख दी है। ना सिर्फ में रोजगार के साधनों में वृद्धि हुई है, बल्कि यहां के ढांचागत सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व इजाफा हुआ है। 99 फीसदी लोग मानते है कि इस अवधि में न सिर्फ शहर के ढांचागत सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है, बल्कि रोजगार का सृजन भी हुआ है। अकेले पर्यटन के क्षेत्र में सबसे ज्यादा 45 फीसदी रोजगार बढ़ा। इसके अलावा घाटों के प्रबंधन के कार्य में रोजगार बढ़े है। होटल मालिकों की आय में 75 फीसदी, दुकानदारों की आय में 50 फीसदी, ई-रिक्शा चालकों की आय में 35 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। टैक्सी ऑपरेटरों की आय में 25 फीसदी की वृद्धि आंकी गई है। नाविक, साड़ी व्यवसायी, पूजन समाग्री विक्रेता, गुलाबी मीनाकारी, शिल्प कारीगर, खाने-पीने के दुकानदारों के मुताबिक उनकी आय में पहले की तुलना में 55 फीसदी की वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन पहुंचे 99 फीसदी फीसदी श्रद्धालु सुगम-दर्शन से प्रभावित हैं।

सभी के लिए रोजगार के साधन बढ़े

होटल कारोबारियों के मुताबिक मंदिर के पुनर्निर्माण के बाद से तो मानो वाराणसी की किस्मत चमक गई है। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी सुधार हुआ है। पहले दिनभर में 12-13 घंटे भी बिजली की आपूर्ति मुश्किल से होती थी। दिनभर होटलों में जेनरेटर की वजह से शोर रहता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब यहां बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से हो रही है। कनेक्टिविटी में भी काफी सुधार हुआ है। सड़क के साथ-साथ हवाई मार्ग से यात्रा की सुविधा भी बढ़ी है, जिसके परिणामस्वरूप देश-विदेश से यहां पहुंचने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी दिख रही है। उनका कहना है कि पहले यहां खास सीजन या देव दीपावली या गंगा दशहरा जैसे पर्वो के मौके पर ही पर्यटक पहुंचते थे, लेकिन आज हर रोज एक से डेढ़ लाख पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इससे वाराणसी में 75 से 80 प्रतिशत तक व्यवसाय बढ़ा है। होटल इंडस्ट्री में बूम आया है। होटल ऑनलाइन बुक किए जाते हैं। एसी कमरों की कीमत यहां 1000 से लेकर 3000 रुपये तक है। वहीं, नन-एसी कमरों की कीमत 1000 रुपये के नीचे है। लगभग हर रोज यहां होटल के कमरे बुक हो जाते हैं। सिर्फ होटल इंडस्ट्री को ही इसका फायदा नहीं हो रहा, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी इसका असर दिख रहा है। जिस तरह से यहां पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, उसे देखते हुए यह कहना गलत न होगा कि पर्यटक स्थलों और धार्मिक स्थलों के साथ-साथ लोग यहां की पारंपरिक कला-संस्कृति, खान-पान, परिधान आदि की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। बनारसी साड़ी हो या फिर वाराणसी के स्ट्रीट फूड्स, आज भी इनका क्रेज पर्यटकों के सिर चढ़कर बोलता है। यहां से जाने से पहले वे बनारसी साड़ी के अलावा सिल्क के कपड़े साथ ले जाना नहीं भूलते। खाने-पीने की चीजों का स्वाद चखना और फिर उन्हें संग ले जाना, पर्यटकों के इस कदम से वाराणसी के लोगों के व्यवसाय में काफी बढ़ोतरी हुई है। रिक्शा चलाने वाले से नाव चलाने वाले नाविक तक, सभी के लिए रोजगार के साधन बढ़े हैं। वाराणसी में समृद्धि हर ओर देखने को मिल रही है। परिवहन सुविधाएं बढ़ने और अन्य कई सुविधाएं देखने के बाद देश-विदेश से आने वाले लोग भी यहां निवेश करने को लेकर कदम बढ़ा रहे हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी भी है वजह

सीईओं विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण, काशी के मजबूत हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी ने यहां आने वाले धार्मिक पर्यटकों की राह आसान कर दी है. निःसंदेह योगी सरकार के प्रयासों ने मंदिर के पुनरुद्धार के बाद यहां पहुंचने, ठहरने समेत दर्शन-पूजन आदि को भी बेहद आसान बना दिया है। देश को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने के अपने मिशन के साथ मौजूदा सरकार लगातार शहर में पर्यटन की आर्थिक क्षमता को बेहतर बनाने की कोशिश में जुटी है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर और घाटों के लिए हमेशा से प्रसिद्ध यह नगर, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की सरकार की परंपरा और आधुनिकता को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। परिणामस्वरूप काशी-विश्वनाथधाम मंदिर समेत समूचे वाराणसी में पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मुम्बई और गोवा की तरह अब वाराणसी में भी लोग पानी पर लग्जरी यात्रा का आनंद उठा रहे हैं। वाराणसी यूपी का पहला ऐसा शहर है, जहां नदी में चलने वाले क्रूज की संख्या 10 से ज्यादा हो चुकी है। पर्यटकों की संख्या में हुई वृद्धि से वाराणसी में रिवर टूरिज्म की डिमांड भी बढ़ी है, जिसमें क्रूज की मांग भी शामिल है। गंगा की लहरों पर क्रूज का संचालन बढ़ने से वाराणसी में न सिर्फ पर्यटन क्षेत्र का विकास हो रहा है, बल्कि यहां के कारोबारियों को भी लाभ मिल रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण पर्यटक वाराणसी के साथ-साथ अयोध्या, विन्ध्याचल और प्रयागराज भी जा रहे हैं। छुट्टियों और पर्व-त्योहारों में काशी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। टेंट सिटी, रिवर फ्रंट, नमो घाट जैसी पर्यटन परिवहन तथा मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने वाली परियोजनाओं के पूरा होने के बाद काशी सहित वाराणसी और मिजार्पुर मंडल में पर्यटन उद्योग को और ऊंचाई मिलेगी।

खुला समृद्धि का द्वारः काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण ने समृद्धि के द्वार खोल दिए हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकापर्ण के बाद पहले ही साल भक्तों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया। महज एक साल के भीतर ही 7.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। यह तादाद पहले के मुकाबले 12 गुने से भी ज्यादा है। मंदिर में बीते एक साल में नकदी के अलावा 60 किलो सोना, 10 किलो चांदी, 1500 किलो तांबा भी भक्तों ने चढ़ाया है। श्रद्धालुओं ने 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी दान में दी है। कुल मिले दान का 40 फीसदी ऑनलाइन आया है। खुद मंदिर प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते साल के मुकाबले इस साल आय में 500 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है।

दस गुना पर्यटक

पर्यटन विभाग के मुताबिक वर्ष 2022 में महज जुलाई महीने में वाराणसी पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 40.03 लाख थी, जो जुलाई 2017 के 4.61 लाख के मुकाबले करीब दस गुना ज्यादा है। इस साल सावन और देव दीपावली में वाराणसी पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या ने रिकार्ड बनाया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के चारों प्रवेश द्वारों पर लगे हेट स्कैनिंग मशीन से आने वालों की गिनती की जाती है। काशी विश्वनाथ धाम ने जबसे दिव्य रूप लिया वाराणसी के फूल माला से जुड़े लोग हों या बनारसी साड़ी व्यवसाय करने वाले सभी उत्साहित हैं. व्यापार में 40 प्रतिशत बूम से सबके चेहरे खिले हुए हैं. गोदौलिया, मैदागिन, अस्सी आदि चैराहे के नजदीक दुकान चलाने वाले तमाम दुकानदार विश्वनाथ धाम के निर्माण के बाद से अपने कारोबार में हुए इजाफे से खुश हैं. वह कहते हैं कि काशी विश्वनाथ धाम के जीर्णोद्धार का असर शहर के हर क्षेत्र में दिख रहा है. यहां के लोगों की आय में इजाफा हो रहा है और संसार भर से करोड़ों श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आ रहे है. इनकी संख्या अब हर साल बढ़ती जाएगी क्योंकि शहर के ढांचागत विकास पर अब विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

40 फीसदी दान ऑनलाइन

बाबा के भक्त यहां की व्यवस्था की तरह हाईटेक हो रहे हैं। साल भर में विभिन्न मदों में आए लगभग 50 करोड़ दान में 40 फीसदी ऑनलाइन था। मंदिर गर्भगृह को स्वर्णमंडित करने के लिए मुंबई के श्रद्धालु ने 60 किलो सोना दान किया। अन्य मदों में लोग तैयार खड़े दिखे। श्रद्धालु व दान विस्तार को देखते हुए माना जा रहा है कि पांच साल में मंदिर विस्तार व सुंदरीकरण में खर्च 850 करोड़ से अधिक धनराशि चढ़ावे में आ जाएगी।

महका फूलों का बाजार

सावन में श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक कर आशीर्वाद लिया। वहीं गौरीकेदारेश्वर, जागेश्वर महादेव, तिलभांडेश्वर महादेव, कर्दमेश्वर महादेव, सारंगनाथ, शूलटंकेश्वर सहित द्वादश ज्योतिर्लिंग, मणिमंदिर सहित सभी मंदिर भक्तों से गुलजार रहे। कहीं भगवान शिव का हरियाली शृंगार हुआ तो कहीं फूल बंगला की झांकी सजाई गई। हिम शृंगार के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने भोग अर्पित किया। शूलटंकेश्वर से लेकर कैथी मार्कंडेय महादेव धाम तक आस्थावान भक्ति में डूबे नजर आए। त्रिदेव मंदिर में जलविहार की झांकी सजाई गई। वृंदावन के मोहक फूल बंगले के बीच विशाल झील में फुहारों के बीच राधा कृष्ण के जलविहार की झांकी भक्तों में मन में समा गई। हिम शिवलिंग के साथ राम लक्ष्मण सीता हनुमान के साथ ही फूलों से बने झूले पर राधाकृष्ण की झांकी लोग अपलक निहारते रहे। राणी सती के अलावा सालासर हनुमान और खाटू वाले श्याम प्रभु के शृंगार के दर्शन के साथ त्रिदेवों को छप्पन भोग अर्पित किया गया। सावन के महीने में जहां बाबा के धाम में भक्तों की कतार उमड़ी वहीं फूलों का बाजार भी महक उठा। सावन के महीने में सवा पांच करोड़ से अधिक फूलों का खरीद और बिक्री हुई। मलदहिया फूल मंडी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार सोमवार को 50 लाख से अधिक फूल और मालाएं बिक गईं। वहीं रविवार को 30 लाख रुपये से अधिक के फूल-माला की बिक्री हुई थी।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की तीसरी वर्षगांठ धूमधाम से मनाया जाने लगा है। तो दुसरी तरफ इन तीन सालों में काशी में दुनिया जहान से आएं भक्त दर्शन-पूजन के बीच धनाभिषेक कर काशीवासियों को मालामाल करते नजर आएं। यह सब काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण, काशी के मजबूत हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी से संभव हो पाया है। आंकड़ों के मुताबिक इन तीन सालों में लगभग 17 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा धाम में मत्था टेका। जबकि चढ़ावा लगभग 150 करोड़ से अधिक का है। मंदिर के मुताबिक पिछले वर्ष 2023 के प्रथम छमाही (जनवरी-जून) के मुकाबले 2024 के प्रथम छमाही में पर्यटकों और बाबा विश्वनाथ धाम की आमदनी दोनों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है. इस समयावधि में 2023 के सापेक्ष 2024 में धाम की आमदनी में 24.66 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं श्रद्धालुओं की संख्या में 45.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यानी इस अवधि में पिछले वर्ष की अपेक्षा एक करोड़ पांच लाख अधिक श्रद्धालु आए। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने .बताया कि वर्ष 2023 (जनवरी से जून) तक 22979137 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार मे हाजिरी लगाई। यह पिछले वर्ष से 1 करोड़, 5 लाख 15 हजार ,796 (1,05,15,796) अधिक है. वहीं धाम के पास 2023 के पहले छमाही में 38,29,77,214 था जबकि, 2024 की प्रथम छमाही में आमदनी 47,74,13890 हो गई है. यह 9 करोड़ 44 लाख 36 हजार ,676 (9,44,36,676) अधिक है. इससे यूपी के धार्मिक राजधानी काशी की अर्थव्यवस्था में न सिर्फ चार चांद लग गया, बल्कि पर्यटन से जुड़े ट्रैवल टूरिज्म, होटल, हॉस्पिटैलिटी, ट्रांसपोर्ट, रियल एस्टेट से लगायत इंडस्ट्री समेत अन्य कारोबार में इजाफा देखने को मिला। एक अनुमान के मुताबिक उद्घाटन तिथि से अब तक विभिन्न सेक्टरों में चढ़ावा सहित 4500 करोड़ के कारोबार हो चुके होंगे

ताइक्वांडो में कोच जयेश वेल्हाळ को मिला स्वर्ण पदक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वियतनाम में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में ताइक्वांडो कोच जयेश वेल्हाळ ने स्वर्ण पदक जीता। विश्व पुलिस ताइक्वांडो महासंघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में पुलिस गेम्स और ओपन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं शामिल थीं। ओपन इंटरनेशनल प्रतियोगिता में, मास्टर जयेश वेल्हाळ ने 31 से 40 आयु वर्ग के व्यक्तिगत पूमसे में चार डिग्री और उससे ऊपर की मास्टर श्रेणी में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता है और उनके छात्र विनीत सावंत ने प्रथम डिग्री से तीसरी डिग्री व्यक्तिगत पूमसे श्रेणी में एक पदक जीता है। 31 से 40 आयु वर्ग में एक रजत पदक और एक कांस्य पदक जीत चुके इन दोनों ने इस प्रतियोगिता के लिए पिछले दो महीने से ट्रेनिंग की थी. उन्होंने यह भी कहा कि मास्टर जयेश वेल्हाळ ने आठ से दस साल बाद प्रतियोगिता में भाग लेकर स्वर्ण और कांस्य पदक जीते हैं. इस प्रतियोगिता में दुनिया भर से करीब ढाई से साढ़े तीन हजार प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था. जयेश वेल्हाळ को विश्व पुलिस ताइक्वांडो महासंघ द्वारा सम्मानित किया गया।

लखनऊ के क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर महिला से ठगी, 2 आरोपियों को दहिसर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दहिसर पुलिस ने दो शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। जो फर्जी लखनऊ के क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर महिलाओं को टारगेट कर ठगी का शिकार बनाते थे। दहिसर पुलिस स्टेशन की हद में एक महिला को इन ठगों ने लखनऊ के क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर कॉल किया और बताया कि आपके नाम के रजिस्टर सिम कार्ड साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहा है। जिसकी वजह से आपके ऊपर एफ आई दर्ज हो सकता है।

जिसमे आपको गिरफ्तार किया जाएगा। जिसकी वजह से महिला डर गई और ठगों ने डर का फायदा उठाकर गिरफ्तारी से बचने के नाम पर 88 हजार 8 सौ 88 रुपये महिला के अकाउंट से वढक द्वारा ट्रांसफर करा लिए। पैसे ट्रांसफर करने के बाद महिला को लगा कि उसके साथ ठगी हुई है। जिसके बाद महिला ने तुरंत दहिसर पुलिस स्टेशन में जाकर मामला दर्ज कराया।

मामले की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक होनमाने के आदेश पर दहिसर पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक अंकुश दांडगे और पुलिस उप निरीक्षक श्रद्धा पाटिल ने बैंक के नोडल ऑफिसर से बात कर महिला के ट्रांसफर किये पैसों को फ्रिज कराया। बैंक से अधिक जांच करने पर पता चला कि इन ठगों ने

कांदिवली के कर्नाटका बैंक में 10 अलग अलग लोगो के नाम अकाउंट खोल रखे है। जिसका इस्तेमाल साइबर फ्रॉड में पैसे ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा है।

इन आरोपियों ने प्राइवेट कंपनी में जॉब दिलाने के नाम पर 10 से अधिक लोगो के बैंक में अकाउंट खोल रखे थे। अधिक जांच में दोनों आरोपियों को दहिसर पुलिस ने मीरा रोड से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम वरुण कुमार ओमप्रकाश तिवारी (24) और सचिन संगमलाल मिश्रा (32) हैं। जो मीरारोड के रहने वाले है और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। इस ठगी की वारदात का मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। जिसकी तलाश दहिसर पुलिस कर रही है।

ठउउफ्ढ पोर्टल से जांच में पता चला कि इन 10 बैंक एकाउंट में ठगी से कई ट्रांजेक्शन हुए है। जिससे ठउउफ्ढ पोर्टल पर 63 मामले दर्ज है। इन आरोपियों ने पूरे देश में अलग-अलग राज्यों में ऐसे ही लखनऊ के क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर सैकड़ो वारदातों को अंजाम दिया है। अब तक इन आरोपियों की 63 केसों में सम्मिलित होने का मामला सामने आया है। इन आरोपियों के पास मोबाइल और कई प्रकार के दस्तावेज बरामद हुए हैं। जो ठगी की वारदात में इस्तेमाल हुआ है। जिसकी जांच दहिसर पुलिस कर रही है। साथ ही दहिसर पुलिस इन आरोपियों से यह जांच कर रही है कि इनके ठगी गैंग में और कितने लोग शामिल हैं। यह कार्यवाही रहा अभिषेक त्रिमुखे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त उत्तर प्रादेशिक विभाग, स्मिता पाटिल पुलिस उपायुक्त परिमंडल 12, किशोर खैरनार सहायक पुलिस आयुक्त दहिसर डिवीजन के मार्गदर्शन में अशोक होनमाने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दहिसर पुलिस स्टेशन की देखरेख में जांच अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक अंकुश दांडगे, पुलिस उपनिरीक्षक श्रद्धा पाटिल, श्रीकांत देशपांडे द्वारा किया गया है।

विप्र फाउंडेशन की ओर से प्राचार्य शशिकांत पाण्डेय के मुंबई आगमन पर किया गया भव्य स्वागत

मुंबई(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या नगरी से पधारे ऋषिराज सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य शशिकांत पाण्डेय के मुंबई आगमन पर विप्र फाउंडेशन बोईसर की ओर से आत्मीयता एवं गर्म जोशी से स्वागत करते हुए शॉल श्रीफल पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के ब्रह्मदेव चौबे, अखिलेश पांडेय, श्रवण कुमार मिश्र, रामभवन त्रिपाठी, ज्योतिषाचार्य एकदेव श्रीनेत, वरुण मिश्र, विकास तिवारी, सोनू पांडेय, बी.पी.तिवारी,शन्नी पांडेय, पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सामाजिक एवं अन्य कई विषयों पर चर्चा के बाद बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में जलपान के पश्चात विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे ने प्राचार्य शशिकांत पाण्डेय व समाजसेवी श्रीश कुमार पांडेय समेत सभी उपस्थित विप्र बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

संजय लांडगे मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले के आदेशो पर एवं उनकी उपस्थिती में संजय लांडगे को मुंबई प्रदेश राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ मुंबई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष मंजप्पा गौडा, मुंबई उच्च न्यायालय के एडवोकेट और मुंबई प्रदेश युथ रिपब्लिकन के अध्यक्ष कनिष्क साबळे, महाराष्ट्र संघटक सचिव अजय ठोंबे, गणेश पवार,प्रदीप गुंजाळ , रविंद्र म्हस्के, किशोर पाटील, गजानन गोसाई, राहुल कांबळे, कैलाश ओव्हाळ, गौतम गायकवाड, व्यंकटेश गोसाई, पोपट लोंढे, और संतोष लांडगे आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपस्थित कार्यकर्ताओ ने संजय लांडगे को आगामी राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाये दी। कार्यक्रम का आयोजन पार्टी के अध्यक्ष नामदेव साबळे के निवासस्थान पर किया गया था। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन अजय ठोंबे ने किया।

जिला परिषद द्वारा आयोजित दिव्यांग विद्यार्थियों की खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला परिषद के समाज कल्याण विभाग की ओर से गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को पालघर में स्थित आर्यन हाई स्कूल के मैदान में विशेष विद्यालयों के दिव्यांग छात्रों के लिए आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2024-25 संपन्न हो गई। यह खेल प्रतियोगिता जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, कृषि व पशुसंवर्धन समिति सभापति संदीप पावड़े, समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर तथा जिला परिषद सदस्या नीता पाटील, वैदेही वाढाण, सारिका निकम व भावना विचारे, पंचायत समिति सभापति शैला कोलेकर की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। इस मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने बोलते हुए कहा कि मैं इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी

दिव्यांग छात्रों की दिल से सराहना करता हूं। विकलांग छात्रों को पढ़ाने और उनकी देखभाल करने वाले शिक्षकों की जिम्मेदारी उनके माता-पिता से भी अधिक है और उन शिक्षकों की जितनी सराहना की जानी चाहिए, उतनी नहीं की जाती है। जब कि ये शिक्षक समाज में सबसे बड़ी समाज सेवा कर रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में पालघर जिले के 16 स्कूलों के 251 दिव्यांग छात्रों ने भाग लिया। पालघर जिले में सात सहायता प्राप्त और नौ गैर सहायता प्राप्त समेत कुल 16 स्कूलों में 850 दिव्यांग छात्र पढ़ रहे हैं। ज्ञात हो कि सन् 1992 से प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के अवसर पर मानसिक रूप से मंद, बधिर, अंध एवं बहुदिव्यांग वर्ग के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की बुद्धिबल, लगोरी फोडणे आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण भावसार ने कार्यक्रम का परिचय दिया। इस अवसर पर लायंस क्लब के लायन राकेश सिंह, ज्योति सिंह, दीपक भगत उपस्थित थे। उनके संस्था के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा उपलब्ध कराया जायेगा। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जायेगा। यह जानकारी समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दी गई।

MIT-WPU की टीम ने रियल टाइम मॉनिटरिंग और सुरक्षा के लिए एडवांस्ड व्हीकल डेटा ट्रैकिंग सिस्टम का पेटेंट हासिल किया

मुंबई। मौजूदा दौर में लॉजिस्टिक्स, कमर्शियल ऑपरेशंस और ट्रैफिक मैनेजमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसे देखते हुए एक कारगर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम बेहद जरूरी हो गया है, जो तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद होने के साथ-साथ ऑपरेशंस को सुविधाजनक बनाए। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी पुणे के प्रोफेसरों और छात्रों की एक टीम ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने वाहनों की रियल टाइम मॉनिटरिंग और सुरक्षा के साथ-साथ संचालन को बेहतर बनाने के लिए, 5G और बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी पर आधारित एक एडवांस्ड व्हीकल डेटा ट्रैकिंग सिस्टम बनाया है। इस टीम में आशुतोष सोलंके, मल्हार जोजारे, हृषिकेश कलमकर और उनके मेन्टॉर के रूप में प्रोफेसर श्वेता कुकड़े शामिल हैं। इस टीम ने 5G टेक्नोलॉजी, रियल-टाइम ट्रैकिंग और सुरक्षा के शानदार फीचर्स को व्हीकल डेटा ट्रैकिंग सिस्टम में शामिल करने के लिए पेटेंट हासिल किया है। इस सिस्टम में रियल-टाइम ट्रैकिंग, जियो-फेंसिंग और इमरजेंसी अलर्ट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं, जिसका लाभ फ्लीट ऑपरेटर्स, मोटर-वाहन निमार्ताओं, बीमा कंपनियों, लॉजिस्टिक्स फर्मों, स्मार्ट सिटी प्लानर्स और अन्य लोगों को मिलेगा। अब MIT-WPU की टीम मोटर-वाहन निमार्ताओं, फ्लीट मैनेजमेंट कंपनियों और लॉजिस्टिक्स फर्मों के साथ साझेदारी करके इस सिस्टम को बाजार में लाने पर ध्यान दे रही है। टीम चाहती है कि इस सिस्टम को कमर्शियल एवं पब्लिक सेक्टर के व्हीकल फ्लीट में शामिल किया जाए, जिससे उनकी संचालन क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा भी बेहतर होगी। इसके अलावा, टीम निजी वाहन मालिकों के लिए भी इसका एक वर्जन तैयार कर-के इसके कंज्यूमर एप्लीकेशंस का पता लगाने की योजना बना रही है, जो पहले से बेहतर सुरक्षा एवं ट्रैकिंग में सक्षम होगा। इस सिस्टम के बेमिसाल फीचर्स और इसकी अहमियत के बारे में बात करते हुए, एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर श्वेता कुकडे ने कहा, अक्सर पारंपरिक तौर पर उपयोग होने वाले सिस्टम में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और लोकेशन की सही ट्रैकिंग की कमी होती है, जो मॉडर्न एप्लीकेशंस के लिए बेहद जरूरी है।

वैन ह्यूसेन ने लॉन्च किया ईवनिंगवियर का नया कलेक्शन 'वीएच ईवनिंग

मुंबई। फॉर्मल और वेडिंग वियर के लिए प्रसिद्ध वैन ह्यूसेन ने अपने नए सब-ब्रांड वीएच ईवनिंग के लॉन्च के साथ ईवनिंगवियर की दुनिया में कदम रखा है। वैन ह्यूसेन आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड का एक जाना-माना ब्रांड है। यह नई रेंज खास तौर से शाम को पहनने के लिए डिजाइन की गई है और इसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्टाइलिश और खूबसूरत कैजुअल्स शामिल हैं। वीएच ईवनिंग ने पारंपरिक ऑफिस वियर से हटकर शाम की जरूरतों के लिए एक नया और आधुनिक अंदाज पेश किया है। इसमें नयापन और खूबसूरती दोनों का संयोजन है।

वैन ह्यूसेन ने अपने नए सब-ब्रांड वीएच ईवनिंग के साथ फैशन को एक नया रूप दिया है, जो खासतौर पर उन लोगों के लिए है जो फॉर्मल और कैजुअल के बीच के अंतर को खत्म करना चाहते हैं। यह ब्रांड उन प्रोफेशनल्स के लिए डिजाइन किया गया है जो अपने कपड़ों में स्टाइल और आराम दोनों को प्राथमिकता देते हैं। वीएच ईवनिंग उन लोगों के लिए परफेक्ट है जो अपने काम के बाद की शामों को एक खास अंदाज में जीना चाहते हैं। वैन ह्यूसेन ने हमेशा बेहतरीन कपड़ों की गुणवत्ता और बारीकी पर ध्यान दिया है। इस बार भी, वीएच ईवनिंग के साथ, उन्होंने इसे पूरी तरह से बनाए रखा है। इस कलेक्शन में स्टाइलिश और आकर्षक ड्रेस डिजाइन हैं, जो आपको आत्मविश्वास और अनोखेपन के साथ दूसरों से अलग दिखाने में मदद करेंगे। इस लॉन्च के बारे में अभय बहुगुणे, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, वैन ह्यूसेन ने कहा, वैन ह्यूसेन में हम ग्राहकों की लगातार बदलती जरूरतों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की कोशिश करते हैं और वीएच ईवनिंग का लॉन्च उसी वादे का सबूत है। हमने महसूस किया कि बाजार में ऐसा ईवनिंगवियर नहीं है, जो व्यक्तित्व को परिष्कृत अंदाज में अभिव्यक्त कर सके। वीएच ईवनिंग न केवल इस जरूरत को पूरा करता है, बल्कि इसे नए स्तर पर लेकर जाता है। यह ब्रांड आधुनिक ग्राहकों की पहचान, आत्मविश्वास और स्टाइल को दशार्ने के लिए तैयार किया गया है। हमें विश्वास है कि यह सब-ब्रांड उन लोगों को अपनी अलग पहचान बनाने का मौका देगा, जो फैशन और फंक्शन दोनों में बेस्ट चाहते हैं।

मानवाधिकार दिवस पर आह्वान: हर नागरिक बने अधिकारों का संरक्षक - डॉ. रविंद्र मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रविंद्र मिश्रा, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव, ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके संरक्षण के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित करना था। डॉ. मिश्रा ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि विश्व मानवाधिकार दिवस न केवल एक दिन है, बल्कि यह मानवता के उन मूलभूत सिद्धांतों को याद करने का दिन है, जो हमें एक गरिमामय जीवन जीने का अधिकार प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, मानवाधिकार हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, लिंग, या समाज के वर्ग से संबंधित हो। ये अधिकार हमें समानता, स्वतंत्रता, और गरिमा के साथ जीवन जीने की अनुमति देते हैं। उन्होंने मानवाधिकारों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाया गया था। यह घोषणा सभी देशों और समाजों के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक वैश्विक संकल्प है, जो हर व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए बनाया गया है।

डॉ. मिश्रा ने अपने संबोधन में आधुनिक समाज में मानवाधिकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज भी दुनिया भर में भुखमरी, गरीबी, लैंगिक असमानता, बाल श्रम, और मानव तस्करी जैसी समस्याएं मौजूद हैं। उन्होंने इसे मानवाधिकारों का सबसे बड़ा उल्लंघन बताया और कहा कि इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए।उन्होंने कहा, ₹आज हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जहां हर व्यक्ति को उसके अधिकार प्राप्त हों और कोई भी वंचित न रहे। यह तभी संभव है जब हम जागरूक नागरिक बनकर अपने कर्तव्यों का पालन करें और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करें।₹ कार्यक्रम के दौरान डॉ. मिश्रा ने उन मानवाधिकार कार्यकताओं की भी प्रशंसा की, जो निस्वार्थ भाव से समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्यकर्ता हमारे समाज के असली नायक हैं, जो मानवता की सेवा में निरंतर जुटे रहते हैं।

इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, छात्रों, और नागरिकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने मानवाधिकारों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए और समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों को साझा किया।

वी मुंबई में दे रहा 4जी का उत्कृष्ट अनुभव

मुंबई। जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया (वी) ने आज बताया कि ओपनसिगनल की नेटवर्क एक्सपीरिएंस रिपोर्ट नवम्बर 2024 के अनुसार इसे मुंबई में उत्कृष्ट 4जी नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए सराहा गया है। इस रिपोर्ट के तहत स्मार्टफोन 4जी यूजर्स के 4जीअनुभव का मूल्यांकन किया गया। वी का उत्कृष्ट नेटवर्क, उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अनुभव एवं कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ओपनसिगनल की रिपोर्ट के अनुसार वी के यूजर 4जी का उत्कृष्ट अनुभव पा रहे हैं, ऐसे में वी विभिन्न श्रेणियों जैसे वीडियो एवं लाईव वीडियो स्ट्रीमिंग, डाउनलोड और अपलोड स्पीड, गेमिंग और वॉइस ऐप क्वालिटी की दृष्टि से टॉप परफोर्मर बन गया है। यह रिपोर्ट लाईव एवं ऑन-डिमांड वीडियो स्ट्रीमिंग, मल्टीप्लेयर मोबाइल गेम्स एवं मोबाइल वॉइस ऐप पर ओटीटी वॉइस सर्विसेज में वी के 4जीनेटवर्क की उत्कृष्ट गुणवत्ता को दशार्ती है। यह उपभोक्ताओं को सहज एवं बेहतरीन परफोर्मेन्स का डिजिटल अनुभव प्रदान करने के वी के समर्पण की पुष्टि करती है। ओपनसिगनल की रिपोर्ट मुंबई सहित देश भर में नेटवर्क के परफोर्मेन्स में सुधार लाने के वी के सतत प्रयासों की पुष्टि करती है।

तेंदुलकर परिवार ने सतारा में अत्याधुनिक खेल सुविधा का उद्घाटन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) ने अपने सहयोगी मान देशी चैंपियंस के सहयोग से इस सप्ताह महाराष्ट्र के सतारा में एक आधुनिक खेल सुविधा का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम सारा तेंदुलकर की एसटीएफ के निदेशक के रूप में पहली यात्रा थी, जिसमें फाउंडेशन के मिशन को आगे ले जाने की उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई। सचिन तेंदुलकर, अंजलि तेंदुलकर और सारा तेंदुलकर द्वारा उद्घाटन की गई नई सुविधा में बास्केटबॉल और बैडमिंटन के लिए कोर्ट, इनडोर कुश्ती और मुक्केबाजी क्षेत्र, कक्षाएं, प्रशासन कार्यालय और 150 एथलीटों के लिए छात्रावास सहित विश्व स्तरीय सुविधाएं शामिल हैं। इस विकास का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाले खेल प्रशिक्षण और अवसरों तक पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।

सारा तेंदुलकर ने अपने माता-पिता के साथ युवा जीवन पर खेल के परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की और वहां बच्चों के साथ कुछ पल साझा किए।

सचिन और डॉ.अंजलि तेंदुलकर द्वारा 2019 में स्थापित एसटीएफ, खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा में पहल के माध्यम से जीवन बदलने के लिए समर्पित है। अब सारा तेंदुलकर के नेतृत्व में, फाउंडेशन अपने प्रयासों को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे पूरे भारत में वंचित बच्चों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे।

मान देशी चैंपियंस के पास ग्रामीण प्रतिभाओं को पोषित करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है, उनके कार्यक्रमों के माध्यम से 100 से अधिक एथलीट सेना, पुलिस, वन और रेलवे में शामिल हुए हैं। दादा और अजीनाथ शिंगाडे जैसे पूर्व छात्र, 1500 मीटर के राष्ट्रीय रजत पदक विजेता अब सशस्त्र बलों में सेवा कर रहे हैं, और राष्ट्रीय पदक विजेता पहलवान अरु खांडेकर कार्यक्रम की सफलता का उदाहरण हैं।

सामुदायिक पहल से बढ़ा भरोसा: हिंसा पीड़ित महिलाओं के अपनी बात रखने की संभावना हुई दोगुनी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कमजोर समुदायों में महिलाओं और बच्चों के जीवन को बदलने में मदद करने वाले अग्रणी संगठनों में से एक स्नेहा (सोसायटी फॉर न्यूट्रिशन, एजुकेशन एंड हेल्थ एक्शन) ने हाल ही में मुंबई में आयोजित 4-वर्षीय कार्यक्रम के नतीजों को सामने रखा है। इस कार्यक्रम के अनुसंधान भागीदार यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रोफेसर डेविड ओस्रिन थे। उन्होंने पाया कि समुदाय आधारित हस्तक्षेप की वजह से एक हिंसा पीड़ित महिला के अपनी आपबीती का खुलासा करने की संभावना दोगुनी से भी अधिक हो जाती है। निश्चित परीक्षण परिणाम अभी तक प्रकाशित नहीं हुए हैं, लेकिन, कार्यक्रम निगरानी डेटा के आधार पर स्नेहा की प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. नायरीन दारूवाला ने कहा, हमारा संगठन मुंबई में शहरी अनौपचारिक बस्तियों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित सामाजिक मुद्दों से निपटने में हमेशा सबसे आगे रहा है। इस समस्या से निपटने के अपने वर्षों के अनुभव के साथ, हम ऐसे समाधान ढूंढना चाहते थे जिनका समुदाय पर दीर्घकालिक असर हो। जिन इलाकों में हस्तक्षेप किया गया, वहां हमने 72 से अधिक महिला

समूह, 25 पुरुष समूह और 24 युवा समूह बनाए। प्रत्येक समूह में 2000 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। पिछले 4 वर्षों में इन हस्तक्षेपों का मतलब है कि हिंसा से बचे 84% लोग, जो केस वर्कर से मिले थे और इन्होंने बताया कि छह महीने के बाद इसमें कमी आई है। उन्होंने महिलाओं को यह विश्वास भी दिलाया है कि वे हिंसा से बचे लोगों (93-95%) का समर्थन कर सकती हैं। यह समग्र प्रयास हमारे लिए बेहद उत्साहजनक रहा है और हम मुंबई में मौजूद सभी क्षेत्रों में इस मॉडल को लागू करने की योजना बना रहे हैं। मुंबई में इस कार्यक्रम का संचालन 48 शहरी अनौपचारिक बस्तियों (सेटलमेंट क्लस्टर) में किया गया था और इसके लिए हिंसा से बची 4121 महिलाओं की पहचान की गई। कार्यक्रम के 4 वर्षों में जीवित बचे लोगों की पहचान में लगातार वृद्धि हुई, जिसमें 791 (वर्ष 1), 874 (वर्ष 2), 1180 (वर्ष 3) और 1276 (वर्ष 4) आयु समूह की थीं।

इनमें से, एनजीओ ने घरेलू हिंसा का सामना करने वाले 3309 लोगों की पहचान की, जिनमें से 26% अपने अंतरंग साथी से हिंसा का सामना कर रहे थे, 48% परिवार के किसी अन्य सदस्य से, और 26% दोनों से हिंसा का सामना कर रहे थे। जीवित बचे लोगों द्वारा सबसे अधिक रिपोर्ट की गई हिंसा के रूपों में भावनात्मक (93%), इसके बाद आर्थिक दुर्व्यवहार (84%), शारीरिक हिंसा (80%), जबरदस्ती नियंत्रण और उपेक्षा (दोनों 72%) शामिल हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

न्यायालय के आदेश पर 20 दिसंबर को होगी पुनर्मतगणना

इम्तियाज अहमद

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2021 में हुए जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में वार्ड संख्या 8 के प्रत्याशियों की 20 दिसंबर को पुनर्मतगणना होगी। इसकी सूचना सभी 13 प्रत्याशियों को पत्र के माध्यम से दे दी गई है। पुनर्मतगणना सोंधी ब्लाक कार्यालय सभागार में होगी। वर्ष 2021 के जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में वार्ड संख्या 8 से शोले राजभर निर्वाचित घोषित हुए थे। जौनपुर जिले के शाहगंज ब्लॉक के सोंधी कार्यालय में पुनर्मतगणना की तैयारी शुरू हो चुकी हैं। मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए पाराकमाल गांव निवासी प्रत्याशी मौलाना मतिउद्दीन ने न्यायालय में याचिका दाखिल किया था। इस मामले में अपर जिला जज चतुर्थ न्यायालय से निष्पक्ष और पारदर्शिता पूर्ण तरीके से पुनः न्याय पंचायत पाराकमाल के 25 बूथों की मतगणना का आदेश पारित किया गया है जिसमें पाराकमाल,हाजी रफीपुर, अरंद, अशरफपुर उसरहटा,आर्यनगर कला,डांडसौली,सैदगोरारी ग्राम सभा शामिल है। बीडीओ शाहगंज जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 20 दिसम्बर को पारा न्याय पंचायत की पुनः मतगणना ब्लॉक मुख्यालय के मीटिंग हाल में होगी। उक्त वार्ड के 13 प्रत्याशियों को सूचना भेजी जा रही है। 20 दिसम्बर को 25 मतदान स्थलों की पुनर्मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगी। इसके लिए 5 मतगणना टेबल लगाए जाएंगे। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक, तीन गणना सहायक नियुक्त रहेंगे। मतगणना पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए वीडियोग्राफी के साथ कराई जाएगी। पुनर्मतगणना उपजिलाधिकारी बदलापुर सन्तबीर सिंह और तहसीलदार शाहगंज आशीष कुमार सिंह की मौजूदगी में होगी।

अनुराग यादव व सत्यम बिन्द के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से की मुलाकात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा विधायक व उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिल कर जौनपुर के प्रयागीपुर केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति दिलाने हेतु जनता की तरफ से आभार प्रकट किया और साथ ही साथ ग्राम कबीरुद्दीनपुर पो. सरेमू थाना गौराबादशाहपुर के ताईक्वांडो खिलाड़ी स्व.अनुराग यादव की गला काट कर निर्मम हत्या कर दी गई थी स्व.अनुराग यादव के परिवार को एवं ग्राम लपरी तहसील शाहगंज के स्व. सत्यम बिन्द के परिवार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने के सम्बन्ध में अनुरोध किया।जिसके लिए मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आश्वस्त किया गया।

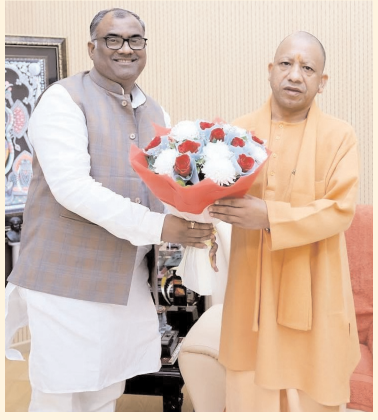

मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने 4 पशु तस्करों को किया गिरफ्तार

कब्जे से ट्रक में ले जाए जा रहे 3 गाय, 2 बच्चा व 7 भैंस तथा 5 पड़वा के साथ तमंचा कारतूस बरामद

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर प्रभारी निरीक्षक पुलिस द्वारा प्राप्त प्रेस नोट द्वारा मुगराबादशाहपुर विनोद कुमार मिश्र मय हमराह टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कोदहू नहर पुलिया के पास से ट्रक वाहन से परिवहन हो रहे जानवरो को रोका गया तो वाहन उपरोक्त पर सवार तस्करो द्वारा पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया पुलिस बल द्वारा हिकमत अमली से वाहन पर सवार चारो पशु तस्करो को गि?फ्तार कर जामा तलासी ली गयी तो एक तमन्चा 315 बोर एक खोखा कारतूस तथा एक जिन्दा कारतूस बरामद हुआ तथा वाहन पर लदे जानवरो को देखा गया तो 3 राशि गाय 2 राशि बच्चा व 7 राशि भैस तथा 5 राशि पडवा ट्रक पर क्रूरता पूर्वक रस्सी से बांध कर लादे गये थे जिस सम्बन्ध मे थाना हाजा पर मु0अ0सं0-411/24 धारा 109/3(5)बीएनएस व 11 पशू क्रूरता अधिनियम व 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण इस प्रकार है 1.राहुल कुर्मी पुत्र जवाहर लाल कुर्मी निवासी ग्राम बुधुवा थाना मझगवा जिला जबलपुर मध्य प्रदेश। 2.रमाशंकर मिश्र पुत्र शम्भूनाथ मिश्र निवासी हैन्सी परजी थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ। 3.सुशील कुमार कश्यप पुत्र रामलखन कश्यप निवासी देवरी हरदोपट्टी थाना बाघराय जनपद प्रतापगढ। 4.धर्मेन्द्र दुबे पुत्र मुकेश कुमार दुबे निवासी कस्बा पनागर (जगमोहन वार्ड) थाना पनागर जनपद जबलपुर मध्य प्रदेश।

शीतगृह स्वामी सड़े-गले आलू फेंकें नहीं, अब इससे बनाई जाएगी खाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने शीतगृह स्वामियों से कहा है कि सड़े-गले आलू को फेंकें नहीं, अब इससे खाद बनाई जाएगी। प्रायः यह संज्ञान में आया है कि शीतगृह स्वामी द्वारा विघटित/सडने वाली/सडी हुई सब्जियों का निस्तारण सामान्य रूप से जमीन के अंदर दबा कर कर दिया जाता है जिससे मिट्टी में उपलब्ध तत्वो धातुओं रसायनों को प्रभावित करके मिट्टी और भूजल को विभिन्न प्रकार से संदूषित कर देता है। अतः शासन के मंशा के अनुरूप दो माह के भीतर यह सुनिश्चित किया जाय कि इनका निस्तारण वैज्ञानिक ढंग से किया जाए। शीतगृह स्वामी कृपया ध्यान दे शीतगृह मे विघटित /सड़ने वाली /सड़ी हुई सब्जियां बायोडिग्रेडेबल पदार्थ के रूप मे होती है जिसको कम्पोस्ट बनाकर कृषि कार्यों में उपयोग किया जा सकता है अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि संबंधित विषयवस्तु विशेषज्ञों के सलाह से उचित कदम उठायें जाए। शीतगृह स्वामी घ्यान दे, अमोनियम गैस रिसाव की आपदा प्रबंधन योजना के बिना कोल्ड स्टोरेज संचालित न किए जाये तथा शीतगृहों द्वारा इस आशय का आपदा प्रबन्धन योजना तत्काल उपलब्ध कराया जाये। शीतगृह स्वामी द्वारा निकटवर्ती गौशालाओं के साथ सम्पर्क स्थापित करते हुए कटा-फटा अनुपयुक्त आलू का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए जो कि गौशाला मे चारा प्रबंधन के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है साथ ही साथ समुचित अभिलेखीकरण किया जाये अथवा कटा-फटा अनुपयुक्त शीतगृह स्वामी का निस्तारण वैज्ञानिक ढंग से किया जाये। जेनरेटर सेटों की परिचालन के सम्बन्ध में नियमित रूप से जांच किया जाए जिससे कोई भी आपदा, रिसाव, दुर्घटना, होने पर परिचालन की परिस्थितया एवं जल छिडकाव की व्यवस्था कर आपदा प्रबंधन को सफल बनाया जा सके। किसी भी आपदा की स्थिति में आपदा प्रबंधन के रूप में श्रमिको के लिए सुरक्षा के निर्देश तथा निकटवर्ती स्वास्थ्य सेवाओं का सम्पर्क नंबर समुचित रूप से प्रदर्शित किये जाये। उद्यान विभाग की ओर से शीतगृह संचालकों को उपर्युक्त निदेशी के अनुपालनार्थ दो माह का समय दिया गया है सड़ा आलू या सब्जी फेंकने वाले शीतगृह संचालकों के लाइसेंस भी निरस्त किये जायेगें।जनपद मे 16 शीतगृह है इनमे हर वर्ष 79973। मैट्रिक टन आलू स्टोर किया जाता है करीब दो से तीन प्रतिशत आलू कई बार अलग-अलग कारणों से सड़-गल जाती है इन्हे शीतगृह संचालको द्वारा सडको के किनारें फेकवा दिया जाता है या गड्?ढा खोदकर मिट्टी मे दबा देते है। अब इस पर पाबंदी लगाई गई है। वजह, यह है कि इससे मिट्टी और भूजल दूषित हो रहा है राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश के बाद उद्यान विभाग इसे लेकर सख्त है जिला उद्यान अधिकारी डा० सीमा सिह, राणा ने निजी शीतगृह संचालको को निर्देश दिए हैं कि सड़ी सब्जियों के निस्तारण के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाया जाए। सड़ी सब्जियों और आलू को न तो बाहर फेंका जाएगा औरा न ही शीतगृह के अंदर ढेर लगाया जाएगा। इसके लिए शीतगृह में ही प्लांट बनाना होगा। विशेषज्ञों की निगरानी में तैयार होने वाली कंपोस्ट खाद किसानों को दी जाएगी। इससे शीतगृहों को अतिरिक्त आमदनी भी होगी। जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर। कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर। पत्रांक 1564/ प्रचार-प्रसार / 2024-25/दिनांक 12 दिसम्बर, 2024 प्रतिलिपि-जिला सूचना अधिकारी जौनपुर की सेवा में इस अनुरोध के साथ की कृपया जनहित में कृषकों के हितार्थ विभिन्न समाचार पत्रों में निःशुल्क प्रकाशित करने का कष्ट करें।जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर।

गीता महोत्सव में बच्चों ने सास्कृतिक कार्यक्रम से अतिथियों का मन मोहा

◆ श्री गणेशजी बालोद्यान सन्दहां के बच्चों ने दिया प्रस्तुति

अफताब आलम

मानी कलॉ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां के रामलीला मैदान में मोच्छदा एकादशी एवं गीता जयंती के उपलक्ष्य पर गीता महोत्सव का आयोजन हुआ। प्रधानाध्यापक सत्यदेव तिवारी एवं प्रधानाध्यापक अखिलेश चन्द्र मिश्र एवं सर्वेश जी ने दीप प्रज्वलित किया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राकेश मिश्र समदर्शी एवं डॉ० अविनाश पाथर्डीकर ने गीता के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सरलता से समझाया उन्होंने अपने वक्तव्य में समाज के विभिन्न मतभेद को मिटाते हुए धार्मिक ग्रन्थों को पढ़ने की आग्रह किया। आपको बता दे कि गीता महोत्सव में श्री गणेशजी बालोद्यान सन्दहां विद्यालय के बच्चों ने सास्कृतिक कार्यक्रम से अतिथियों का मन मोह लिया। छोटे बच्चों द्वारा गीता श्लोकों का वाचन सुन उपस्थित जनमानस भावविभोर हो गये। प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर तिवारी ने आग्रह किया कि सभी लोग अपने भारतीय संस्कृति पर ध्यान दे जिससे बच्चों के अन्दर अपने देश के प्रति गर्व हो। इस अवसर पर मुख्य रूप से अवधेश पाण्डेय, मनीष गुप्ता, भास्कर तिवारी, जयप्रकाश गुप्ता, अमित तिवारी एडवोकेट, सूरज चौहान, प्रेम यादव, रामकिशुन सोनकर, अशोक बेनवंशी, आदेश चन्द्र, शुभम मोदनवाल, विक्की, रमेश एवं सभी गीता महोत्सव समिति के पदाधिकारी और क्षेत्रीय जनमानस उपस्थित रहे।

ओवरब्रिज निर्माण शुरू कराने हेतु चेयरमैन ने सांसद को लिखा पत्र

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चेयरमैन उम्मे राहिला ने जफराबाद क्रासिंग पर रूके हुए ओवर ब्रिज निर्माण कार्य शुरू कराये जाने के सम्बन्ध में मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होने ब्रिज निमार्ण कार्य शुरू न होने से क्षेत्र वासियों को होने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया है। बता दें कि एक साल पहले भाजपा के पूर्व सांसद बी.पी.सरोज के प्रयास से जफराबाद जंक्शन का विस्तार व सौन्दर्यीकरण तथा क्रासिंग पर ओवरब्रिज के निमार्ण हेतु शिलान्यास किया गया था। स्टेशन निर्माण कार्य तो शुरू करा दिये गये हैं परन्तु बहुप्रतिक्षित ओवरब्रिज का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नही किया गया। जिसको लेकर आम-जनमानस में आवागमन की समस्या जस की तस बनी हुई है। घण्टों क्रासिंग बन्द रहने से आवगमन की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसी के सम्बन्ध में नगर पंचायत जफराबाद की चेयरमैन उम्मे राहिला ने मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज को पत्र लिखकर ध्यान आकृष्ट कराया है। पूछे जाने पर सांसद मछ्लीशहर प्रिया सरोज ने बताया कि जानकारी हुई है। जल्द ही रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव से मिलकर इस समस्या से उन्हे अवगत कराउंगी।

डा.अभिषेक रावत बने आईएमए के अध्यक्ष, डॉक्टर देवी प्रसाद पुष्पजीवी सचिव मनोनीत

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कई वर्षों के बाद आई एम ए का चुनाव काफी गहमा गहमी के बीच सम्पन्न हुआ। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का चुनाव बुधवार की रात्रि नगर के पक्का पोखरा स्थित ज्योत्सना भवन में चुनाव आधिकारी डॉक्टर रफीक फारूकी एवं रिटर्निंग ऑफिसर डॉक्टर डी के गुप्ता की देख रेख में सम्पन्न हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से डॉक्टर अभिषेक रावत को अध्यक्ष एवं डॉक्टर देवी प्रसाद पुष्पजीवी को संगठन के सचिव पद पर चुना गया। नव नियुक्त अध्यक्ष डॉक्टर अभिषेक रावत ने बताया कि आई एम ए स्वास्थ के क्षेत्र में सस्ता गुणवत्ता पूर्व सर्व सुलभ सेवा प्रदान करने का हर संभव प्रसाय करेगा किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर दूर करने का प्रयास किया जाएगा उन्होंने आगे कहा कि डॉक्टरी पेशा सेवा के लिए है जिसे ले कर हम कृत संकल्पित है। तो वही सचिव देवी प्रसाद पुष्पजीवी ने कहा मरीजों को सस्ता इलाज और सेवा भाव से संगठन कार्य करेगा। अत्यंत गरीब लोगों के लिए अच्छी चिकित्सा सुविधा और कम पैसे में इलाज का कार्य किया जाएगा। उक्त अवसर पर डॉक्टर मोहम्मद सालेह, डॉ. अबु फैसल, डॉ.महेंद्र यादव, डॉ.ज्ञानचंद चित्रवंशी, डॉ.वाहिद, डॉ.सुधांशु चित्रवंशी, डॉ.हिमांशु चित्रवंशी, पूर्व अध्यक्ष डॉ.एसएल गुप्ता, डॉ.महफूज, डॉ.जावेद, डॉ.आकांक्षा सिंह, डॉ.अब्दुला, डॉ.सुधाकर मिश्रा, डॉ.रुचि मिश्रा, डॉ.अरुण सिंह, डॉ.फारूक अरशद, डॉ.जेपी दुबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संगम नगरी में आज गंगा पूजन करेंगे पीएम मोदी, विश्व को देंगे महाकुंभ का आमंत्रण

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। प्रयागराज जनपद में संगम की रेती पर अस्थायी तौर पर बसने वाले महाकुंभ नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चार घंटे तक रहेंगे। इस दौरान वह गंगा पूजन के साथ दुनिया भर के लोगों को इस आध्यात्मिक नगरी में आने का आमंत्रण भी देंगे। महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। प्रधानमंत्री शुक्रवार को गंगा पूजन के साथ इसकी शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री विशेष विमान से करीब 11:25 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से अरैल जाएंगे। अरैल से निषादराज क्रूज से किला घाट आएंगे। किला घाट से प्रधानमंत्री संगम नोज पहुंचेंगे और गंगा पूजन के साथ संतों से वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री सरस्वती कूप, अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री के संगम स्नान की बात भी कही जा रही है। इसे ध्यान में रखकर तैयारी की गई है। गंगा पूजन के बाद प्रधानमंत्री संगम नोज पर ही बने पंडाल में सभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले वह 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की करीब छह सौ निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री इसी मंच से श्रृंगवेरपुर धाम में बने घाट, निषादराज पार्क और गले मिलते भगवान राम व निषादराज की प्रतिमा का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसी के साथ श्रृंगवेरपुर में बनने वाले गंगा रिवर फ्रंट व संग्रहालय का शिलान्यास भी करेंगे।

शाहगंज में विद्युत पोल से टकराई ट्रक, आपूर्ति हुई बाधित

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेज रफ्तार वाहन के टकर से एक विद्युत पोल धाराशाही हो गया गलीमत ये रही कि किसी तरह का जान माल का नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार बुधवार की देर रात जौनपुर की तरह से एक आ रही तेज रफ्तार ट्रक में नगर के इशकियाना चौराहा स्थित लगे विद्युत पोल को टकर मार के फरार हो गया जिससे विद्युत पोल धाराशाही हो गया और विद्युत तार टकराने से बड़ी बड़ी आग की चिंगारीया उठने लगी आस पास के लोग डर भाग के जान बचाई किसी ने विद्युत विभाग को फोन कर के घटना की जानकारी दी सूचना मिलने पे विद्युत विभाग ने उक्त मोहल्ल के विद्युत आपूर्ति बंद कर दी। गुरुवार की सुबह मौके पे पहुंचे विद्युत कर्मचारी ने नया विद्युत पोल लगने का काम शुरू किया खबर लिखे जाने तक कई मोहलले की विद्युत आपूर्ति टप रही जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी सस्ती दवाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण: डॉ.शैलेन्द

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में हुआ व्याख्यान का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के बॉयोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और एनवायरमेंटल साइंस विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन गुरुवार को किया गया। ट्रांसलेशनल हेल्थ एंड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गुरुग्राम हरियाणा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर शैलेंद्र अस्थाना ने कहा कि प्रोटीन के अध्ययन से कारगर एवं सस्ती दवा को विकसित किया जा सकता है जिससे विभिन्न प्रकार के असंचारी और संचारी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ अस्थाना ने कहा कि महंगी एंटीबाडी कैंसर जैसी बीमारी के इलाज में लाखों रुपए खर्च करने पड़ते है उसके विकल्प के तौर पर वे एंटीबाडी मिमिक्स विकसित करने पर लगे है जिससे कैंसर जैसी बीमारी पर होने वाली भारी भरकम खर्च को कम करके 8 से 10 हजार रुपये पर लाया जा सकता है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा एवं विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों में शोध के प्रति आकर्षण विकसित हो, ऐसे कार्यक्रमों के लिए सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम का संचालन बायोटेक्नोलॉजी की शोध छात्रा मंजूषा ने किया और स्वागत प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. राम नारायन, डॉ श्री प्रकाश तिवारी, डॉ.मनीष कुमार गुप्ता, एवं डॉ विवेक पाण्डेय ने किया। डॉ. सिपाही लाल पटेल द्वारा कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया एवं डॉ.श्वेता श्रीवास्तव अतिथि के संक्षिप्त जीवन परिचय के बारे में बताया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिनेश कुमार ने किया इस कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी एवं एनवायरमेंटल साइंस के विद्यार्थी एवं शिक्षकों में डॉ संजीव मौर्य, ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा, मिस ईशानी भारती, डॉ.दीपक, डॉ.अभय कुमार गुप्ता, शोध छात्र एवं बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के छात्र उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता एवं एसपी की उपस्थिति में जिला शांति समिति की हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा० अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित अधिकारीगण आगामी महाकुंभ के दृष्टिगत सभी प्रकार की व्यवस्थाएं जैसे सड़क, प्रकाश व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर लिया जाए। उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से भी सहयोग करने की अपील की। जनपद में चाइनीज मांझा की बिक्री पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अभियान चलाकर चाइनीज मांझा बिक्री करने वालों पर कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही संबंधित एसएचओ और हल्का सिपाही की भी जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ई-रिक्शा से संबंधित रूट डाइवर्जन, रूट प्लान व्यवस्था आदि को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को निर्देशित किया कि व्यापारियों को जागरूक किया जाए कि बिक्री के दौरान वे सड़कों पर अतिक्रमण न करें। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पॉलिथीन में सामानों की बिक्री न किया जाए इसके साथ ही इसका प्रयोग भी ना करने की सलाह सभी को दी। पुलिस अधीक्षक डॉ० अजय पाल शर्मा ने कहा कि तथ्यों की सत्यता को जांचे बाद सोशल मीडिया पर खबरों को प्रसारित करें उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में कानून व्यवस्था प्रभावित न हो। पुलिस प्रशासन जनपद में अमन चैन कायम रखने के लिए कटिबद्ध है। शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान सहित शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

जस्टिस शेखर कुमार यादव का भाषण संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन

न्यायालय में उनके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए: रिहाई मंच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ रिहाई मंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के बयान को हेट स्पीच कहा। जस्टिस यादव ने शर्मशार कर दिया है कि भारतीय न्यायालयों में घृणास्पद मानसिकता के जज बैठे हैं. मंच ने माननीय सुप्रीम कोर्ट से जस्टिस शेखर कुमार यादव के बयान के आलोक में उत्तर प्रदेश के सम्भल, वाराणसी, मथुरा, जौनपुर, बदायूं, बरेली समेत विभिन्न न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा दिए गए फैसलों और तमाम कार्रवाई की समीक्षा की मांग की है।मंच ने कहा कि संभल के बाद जिस तरह से जौनपुर अटाला मस्जिद मामला सामने आ रहा है वह समाज में तनाव पैदा कर रहा है। सम्भल में सर्वे के फैसले के बाद हिंसा भड़की ऐसे में मानवीय सुप्रीम कोर्ट जौनपुर मामले को संज्ञान में ले और यह सुनिश्चित हो कि कोर्ट सर्वे के आदेश न दें।यह कानून के उल्लंघन के साथ सांप्रदायिक सौहार्द का भी गंभीर मामला है। पुलिस बल या बुलडोजर से नहीं कानून को नागरिकों से संवाद करके स्थापित किया जाए। रिहाई मंच अध्यक्ष मुहम्मद शोएब ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव का न्यायालय में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करके वह न्यायमूर्ति कहलाने के हकदार नहीं रह गए हैं।उनके इन बयानों के बाद न्यायाधीश के रूप में उनके पद पर बने रहने से नागरिकों का न्यायिक व्यवस्था से भरोसा कमजोर होगा।उनकी हेट स्पीच पर विधिक कार्रवाई की जाए।जस्टिस शेखर समेत अन्य न्यायधीशों का विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में जाना स्पष्ट करता है कि उन्होंने संविधान की शपथ तो ली है पर उनके विचार और आचरण उसके अनुरूप नहीं हैं।न्यायपालिका के राजनीतिक इस्तेमाल से देश कमजोर होगा। सामान्य टिप्पणियों पर आम नागरिक को जेल भेज दिया जाता है यहां तो न्यायमूर्ति जिन्होंने संविधान की रक्षा की शपथ ली है उन्होंने नफरती भाषा का प्रयोग किया है। रिहाई मंच महासचिव राजीव यादव ने कहा कि संभल प्रकरण के बाद भी जिस तरह से जौनपुर अटाला मस्जिद, अजमेर शरीफ, बदायूं की मस्जिद को लेकर मामले आ रहे हैं उनसे स्पष्ट है कि देश की धर्मनिरपेक्षता और सद्भाव को तोड़ने की साजिश की जा रही है। न्यायपालिका पर उठ रहे सवालों को जस्टिस शेखर कुमार यादव के बयान ने और पुख्ता किया है कि न्यायिक प्रक्रिया में शामिल व्यक्ति भी हिंदुत्वादी राजनीति से प्रेरित हैं। यह हमारे लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है।सम्भल में ऐसे ही फैसले की वजह से हिंसा हुई जिसमें निदोर्षों की जानें गईं। जिस सर्वे की आपाधापी में इतनी बड़ी हैं हिंसा हुई, दो तारीखें बीतने के बाद भी रिपोर्ट कोर्ट में पेश नहीं जा सकी। ठीक इसी तरह जौनपुर की अटाला मस्जिद में सर्वे की मांग की गई है। जौनपुर के अटाला मस्जिद पर खुफिया नजर, पुलिस की बढ़ाई गई सतर्कता, मस्जिद के आस-पास रहने वाले लोगों को सूचीबद्ध किया जा रहा जैसी खबरें स्पष्ट करती हैं कि सब कुछ सामान्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सम्भल मामले में शांति सद्भाव पर जोर देने के बाद भी फतेहपुर में नूरी जामा मस्जिद पर बुलडोजर चलाया गया जबकि मामले को लेकर न्यायालय में सुनवाई होनी थी। इन परिस्थितियों में माननीय सुप्रीम कोर्ट को जौनपुर की अटाला मस्जिद को लेकर चल रहे प्रकरण को संज्ञान में लेना चाहिए। रिहाई मंच ने कहा कि भारत में पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के तहत, 15 अगस्त 1947 को अस्तित्व में आए किसी भी धार्मिक स्थल का स्वरूप नहीं बदला जा सकता। इसके बावजूद, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में वाद स्वीकार किए गए और सर्वे का भी आदेश दे दिया गया। सर्वे के जरिए मुकदमे शुरू किए जा रहे हैं। जो कानून के खिलाफ है। सम्भल हिंसा के बाद अजमेर, जौनपुर, बदायूं की मस्जिदों में मंदिर के नाम पर सर्वे की खबरें समाज को विभाजित कर रही हैं।अयोध्या के बाद वाराणसी-मथुरा समेत विभिन्न जगहों की मस्जिदों में मंदिर ढूंढने और दावा करने का अभियान सा चला दिया गया है। एक न्यायाधीश बोलें कि उन्हें यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि देश, हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक लोगों की इच्छा के मुताबिक चलेगा, यह कानून है।कानून, यकीनन बहुसंख्यकों के मुताबिक काम करता है।उनका यह कथन धर्मनिरपेक्षता पर हमला है। देश के अल्पसंख्यक मुसलमानों को कठमुल्ला और देश के लिए खतरनाक कहकर उन्होंने उन भारतीय संवैधानिक मूल्यों को खारिज किया जिसकी वह शपथ लेकर न्यायमूर्ति हैं। जस्टिस शेखर कुमार यादव द्वारा बताया जा रहा यह कानून भारतीय लोकतंत्र को बहुसंख्यकवाद में तब्दील करने की कोशिश है जिसकी इजाजत हमारा संविधान नहीं देता।

वाराणसी में 8 किमी. एरिया को बनाया गया नो काइट जोन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। देश की पहली अर्बन ट्रांसपोर्ट रोपवे परियोजनाका काम वाराणसी जोर-शोर से हो रहा है। हालांकि, बीच-बीच में कुछ ब्याधियां भी आ रही हैं। रोपवे के टॉवर पर तार बिछाने का कार्य शुरू हो गया है। तार सेफ रहे इसके लिए रोपवे विभाग के अधिकारियों ने कैंट से लेकर गोदौलिया तक करीब 8 किलोमीटर एरिया को नो काइट जोन बनाया है। इसके लिए रोपवे का वाहन लगातार सिटी में चक्रमण कर पतंग उड़ाने वाले लोगों को अवेयर कर रहा है कि रोपवे के तार में किसी भी प्रकार का मांझा न फंसे नहीं तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लाउडस्पीकर से इस घोषणा को सुनने के लिए गांधी नगर में लोगों की भीड़ भी लग गई। हो सकता है तार डैमेज रोपवे के जीएम शंभू चौधरी का कहना है कि रोपवे के टॉवर पर तार को सुरक्षित रखने के लिए लोगों को अवेयर किया जा रहा है। जहां-जहां रोपवे का टॉवर बना है।वहां पर तार फैलाने का कार्य शुरू हो गया है। इस तार में चायनीज मांझा को न फंसाएं। इससे दुर्घटना हो सकती है. कैंट से लेकर गोदौलिया तक टॉवर बनाए गए हैं। 15 टॉवर स्टाल रोपवे के 18 में से 15 टॉवर इंस्टॉल हो चुके हैं। प्रत्येक टॉवर पर पांच तरह का रोप लगाने का काम शुरू हो चुका है। सबसे पहले एक मिलीमीटर (मोटी) फाइबर रोप को ड्रोन से पुल करेंगे। यह काफी पतली होगी। रोप को नियंत्रित करने के लिए भारत माता मंदिर रोपवे स्टेशन के सामने 70 मीटर लंबा प्लेटफार्म बनाया जाएगा। करीब 20 दिन में यह प्रक्रिया पूर्ण करने की जाएगी। 20 दिसंबर तक ट्रायल का प्रयास 20 दिसंबर तक ट्रायल रन का भी प्रयास है।अब तक 96 मोनोकेबल डेटाकेबल गोंडोला (केबल कार) आ चुके हैं। इनके बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है। 52 गोंडोला अगले माह तक आ जाएंगे. तीनों स्टेशनों पर 14 एलिवेटर (लिफ्ट) और 13 एस्केलेटर (स्वचालित सीढ़ी) लगाने का काम जल्द ही शुरू होगा। इसके अलावा तीन टिकट काउंटर और पांच वेडिंग मशीनें लगाने के लिए स्टेशनों के अंदर जगह भी चिह्नित कर ली गई है। विभाग की तरफ से किराया भी निर्धारित हो चुका है। प्रस्तावित दरें अनुमोदित करने के लिए फाइल राजमार्ग और सड़क परिवहन मंत्रालय को भेजी गई है। गिरिजाघर स्टेशन का 20 परसेंट कार्य पूरा दूसरे चरण में गिरजाघर स्टेशन का कार्य 20 परसेंट हो चुका है। फाउंडेशन तैयार हो चुका है। लेकिन गोदौलिया स्टेशन को आगे शिफ्ट करने का प्रयास अंतिम दौर में है। वैसे कई विकल्पों पर बात हो रही है। लेकिन दशाश्वमेध प्लाजा के सामने स्टेशन बनाने पर मंथन चल रहा है।कब तक रोपवे रनिंग में आएगा। यह अभी तय नहीं किया गया है। अभी कार्य को पूर्ण करने में सभी लोग लगे हैं। एक नजर में रोपवे स्टेशन एलिवेटर एस्केलेटर काउंटर वेंडिंग मशीन कैंट 6 4 1 3 विद्यापीठ 4 4 1 1 रथयात्रा 4 5 1 1 कुल योग 14 13 3 5 रोपवे का कार्य चल रहा है। टॉवर के ऊपर तार बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है। आसपास के लोगों से अपील भी की जा रही है कि तार के पास पतंग न उड़ाएं, इससे दिक्कत होगी।

श्रीमती भगवती नरसिंह दूबे की तृतीय पुण्यतिथि 16 को

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। स्व. श्रीमती भगवती नरसिंह दुबे (माँ जी) की तृतीय पुण्यस्मरण के अवसर पर सोमवार 16 दिसम्बर 2024 से मंगलवार 17 दिसम्बर 2024 को दुबे इस्टेट प्रांगण, नालासोपारा पूर्व में श्री अखंड हरिकीर्तन (अष्टयाम) एवं श्रध्दांजली, भजन संध्या तथा भंडारा का आयोजित किया गया है। यह आयोजन पंडित श्यामसुंदर दुबे, पंडित जयप्रकाश दुबे, डॉ ओमप्रकाश दुबे,आशा दुबे, उषा दुबे, नरेश दुबे एवं समस्त दुबे परिवार के तरफ से रखा गया है। कार्यक्रम 16 दिसम्बर 2024 दिन सोमवार को श्री अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ प्रातः 10 बजे से शुरू होकर दिं 17 दिसम्बर 2024 दिन मंगलवार को श्री अखंड हरिकीर्तन का पूणार्हुति होगा । उसी दिन पूजन, हवन, आरती एवं सायं 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्रध्दांजली, भजन संध्या एवं भंडारा का आयोजन किया गया है। लोगों से अपील है कि ठीक समय पर पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

बीएएमएस राजकीय आयुर्वैदिक कॉलेज में दाखिला होने पर में खुशी की लहर

जौनपुर। जनपद जौनपुर के ब्लॉक सिकरारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा भुआकलां खपरहां बाजार निवासी आंचल गुप्ता पुत्री महेश गुप्ता का चयन बीएएमएस राजकीय आयुर्वैदिक कॉलेज वाराणसी में हुआ। जिससे परिवार के लोगों में खुशी की लहर है परिवार के लोगों ने मिठाई खिलाकर पुष्प हार पहनाकर आंचल गुप्ता को बधाई दिया। आंचल गुप्ता के दादा स्वर्गीय हरिनारायण गुप्ता सर्वोदय इंटर कॉलेज शाहपुर में ज्योग्राफी विषय के प्रवक्ता थे । हरिनारायण गुप्ता के तीन पुत्र हैं। जिसमें महेश गुप्ता दूसरे नंबर के पुत्र हैं। महेश गुप्ता के तीन बच्चें है। जिनमें दो पुत्री और एक पुत्र हैं।आंचल गुप्ता के द्वारा बताया गया कि उनकी जूनियर की शिक्षा 6 से 8 तक यस यस पब्लिक स्कूल बाबतपुर वाराणसी में हुई और फिर 9 से लेकर 12 तक की शिक्षा कुंवर पब्लिक स्कूल गुलजारगंज जौनपुर में हुई। बचपन से ही आंचल गुप्ता का रुझान मेडिकल क्षेत्र में जाने का था। और उन्होंने 2020 में हाई स्कूल की परीक्षा पास की, जिसमें 92% और 2022 में इंटरमीडिएट की परीक्षा में 91% प्राप्त किया। आंचल गुप्ता ने बताया कि बचपन से ही उनका रुझान मेडिकल के क्षेत्र में रहा और आज उनका दाखिला बीएएमएस राजकीय आयुर्वैदिक कॉलेज वाराणसी में हुआ। जिससे वह बहुत ही खुश हैं और उनका कहना है कि वह एक डॉक्टर बनकर आयुर्वेद के क्षेत्र में समाज की सेवा करेंगी तथा गरीबों की हमेशा मदद करेंगी। आयुर्वेद के क्षेत्र में कदम रखने का श्रेय अपनी सगी मौसी को बताया और ननिहाल के लोगों को बताया। मौके पर आंचल गुप्ता की माता आभा गुप्ता पिता महेश गुप्ता व दादी उर्मिला देवी आंचल गुप्ता को पुष्प हार पहनाकर मिठाई खिलाकर उनको बधाई व आशीर्वाद दिया।

चायनीज मांझा और पोलिथिन में सामान नही बिकने चाहिए

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा० अजय पाल शर्मा की उपस्थिती में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सम्बन्धित अधिकारीगण आगामी महाकुंभ के दृष्टिगत सभी प्रकार की व्यवस्थाएं जैसे सड़क, प्रकाश व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर लिया जाए। उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से भी सहयोग करने की अपील की। जनपद में चाइनीज मांझा की बिक्री पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अभियान चलाकर चाइनीज मांझा बिक्री करने वालों पर कार्यवाही की जाए, इसके साथ ही संबंधित एसएचओ और हल्का सिपाही की भी जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ई-रिक्शा से संबंधित रूट डाइवर्जन, रूट प्लान व्यवस्था आदि को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को निर्देशित किया कि व्यापारियों को जागरूक किया जाए कि बिक्री के दौरान वे सड़कों पर अतिक्रमण न करें। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पॉलिथीन में सामानों की बिक्री न किया जाए इसके साथ ही इसका प्रयोग भी ना करने की सलाह सभी को दी। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा ने कहा कि पुलिस प्रशासन जनपद में अमन चैन कायम रखने के लिए कटिबद्ध है।शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चैहान सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने 2.37 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने गुरुवार को 2 करोड़ 37 लाख की लागत से होने वाले निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान वहां मौजद लोगों से उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए धन की कमी आड़े नहीं आने दी जायेगी। पूरे शहर को स्वच्छ एवं सुदर काशी बनाने के लिए सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शहर उत्तरी विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड शिवपुर में आवासीय योजना के अंतर्गत बने एमआईजी (42फ्लैट) के पीछे बने सर्विस लेन पर स्टेडियम रोड के दोनों पटरियों एवं पार्क रोड के साइड पर टाइल्स के पुनर्स्थापन के कार्य लागत लगभग 44 लाख धनराशि, वार्ड तरना में गौतम गार्डेन कालोनी बाई पास स्थित प्लाट डी-74 के पास सड़क निर्माण लागत 5.5 लाख लगभग धनराशि तथा वार्ड डिठोरी महाल के अंतर्गत पुलिस लाइन परिसर में 1 करोड़ 92 लाख की लागत से होने वाले सड़कों के लिंक मार्गों का सुदृढ़ीकरण एवं आरसीसी नालियों का निर्माण कार्य को जल्द ही पूरा किया जायेगा। उन्होंने मौके पर मौजूद कार्यदाई संस्था के अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन कार्यों का शिलान्यास हुआ है, उन्हें युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराए। इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण पुलकित गर्ग, अरविंद सिंह, रतन मौर्या, पार्षद अशोक मौर्या, संदीप रघुवंशी, बलिराम कन्नौजिया, रोहित मिश्र व विनय सडेजा तथा अन्य लोग उपस्थित रहें।

दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा ने वाराणसी काशी पहुंच कर मां गंगा में डुबकी लगा कर मां से आशीर्वाद प्राप्त किया और काशी विश्वनाथ मंदिर का दर्शन कर अपनी पुज्य माता जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। छायाः चित्र उत्तरशक्ति

राष्ट्र को समर्पित हुआ शटल बाय डालमिया

मुंबई। बैडमिंटन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक हाई परफार्मेंस सेंटर (एचपीसी), 'शटल बाय डालमिया भारत', का उद्घाटन आज भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी और असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. हेमंता बिस्वा सरमा ने भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच पुल्लेला गोपीचंद और पुनीत डालमिया, प्रबंध निदेशक, डालमिया भारत की उपस्थिति में किया। यह एचपीसी, ओडिशा राज्य, पुल्लेला गोपीचंद बैडमिंटन फाउंडेशन (पीजीबीएफ) और डालमिया भारत समूह के बीच एक त्रिपक्षीय सहयोग है, जिसे 'डालमिया भारत पुल्लेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी' के रूप में जाना जाएगा। इंडोर क्षेत्र के 77,000 वर्ग फीट में फैली 400 सीटों की दर्शक क्षमता वाली इस अकादमी में आठ बैडमिंटन कोर्ट हैं। अकादमी विश्व स्तरीय कोचों के मार्गदर्शन में युवा प्रतिभाओं के समग्र प्रशिक्षण और विकास को बढ़ावा देने के लिए इस स्थान पर उपलब्ध उन्नत खेल सुविधाओं का उपयोग करेगी। इस प्रतिष्ठित संरचना में 50 खिलाड़ियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाएँ, एक व्यायामशाला और बाहरी गतिविधियों के लिए एक सभागार है। छत पर एक व्यूइंग रिंग शहर का एक अनूठा 360-डिग्री मनोरम दृश्य प्रदान करता है। यह निर्माण एक वास्तुशिल्पीय चमत्कार है, जिसमें एक अग्रणी शटलकॉक से प्रेरित डिजाइन है, जो भारत में अपनी तरह का प्रथम है। निर्माण में स्थाईत्व के लिए प्रतिबद्धता भी दिखाई देती है, जिसमें लो कार्बन (ग्रीन) सीमेंट, भूजल रिचार्ज के लिए वर्षा जल संचयन और एनर्जी एफिशियेंट एलईडी प्रकाश व्यवस्था शामिल है। इसके अलावा, विशिष्ट उल्टे शेल डिजाइन बिजली की खपत को कम करता है, जिससे इसकी पर्यावरणीय जिम्मेदारी में योगदान होता है। एयरोडॉयनमिक सर्कुलर आकार सहज वायु प्रवाह की अनुमति देता है, जिससे फसाड पर अधिकतम वायु दबाव कम हो जाता है। भारत में खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति डालमिया भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, पुनीत डालमिया, प्रबंध निदेशक, डालमिया भारत ने कहा, हम आज की गरिमामयी उपस्थिति के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी और असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वा सरमा के आभारी हैं। हिमंत जी, भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष के रूप में, आप बैडमिंटन में हमारी वैश्विक सफलता के उत्प्रेरक रहे हैं, और हम भविष्य में और भी अधिक ऊंचाइयों तक पहुँचने की आशा करते हैं।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में व्यापारियों ने जुलूस निकाला

-सुरेश गांधी

वाराणसी. वाराणसी व्यापार मण्डल के तत्वाधान में आज दिंनाक गुरुवार को अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में बांग्लादेश में हो रहे हिन्दुओं पर अत्याचार के विरोध में एक विशाल मशाल जूलूस निकाला. जुलूस काल भैरव चौराहा से निकल कर चौक तक जा कर समाप्त हुआ. मशाल के साथ साथ बांग्लादेश के विरोध में नारे तखती पर लिख कर लिए हुऐ थे जिसपर बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को रोको, बांग्लादेश को पाकिस्तान ना बनने दें,मजहब के आड़ में हिन्दुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नही, बांग्लादेश में हिन्दुओं को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करें इस अवसर पर अध्यक्ष अजित सिंह बग्गा ने कहा इस पूरे घटनाक्रम को चटग्राम के हिंदू व्यवसायियों संग पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार से समझा जा सकता है। भय के नाते यहां लोगों ने पुलिस मे मामला तक दर्ज नहीं कराया। इस बीच इस्कॉन जैसे विशुद्ध सेवाभावी अंतराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था भी इनके निशाने पर है। इसे आतंकी संगठन घोषित करने हेतु प्रचार चलाया जा रहा है ।यहां तक की न्यायालय पर अनुचित दबाब तक बनाया जा रहा है। जबकि ये संस्था भेदभाव से रहित निस्वार्थ सेवा और परोपकारी कार्यो के लिए जानी जाती है। ये लोग विभिन्न आपदाओं मे बढ़ चढ़कर राहत कार्यो चलाते रहे हैं। इसके उलट हिंदू युवतियों से दुर्व्यवहार और बलात्कार करने तथा हिंदू परिवार एवं मंदिरों पर हमला करने वालो पर कोई रोक-टोक नहीं है। ऐसा भी नहीं है कि प्रशासन इस संगठित एवं सुनियोजित अपराध से अवगत नहीं है। इन्हीं प्रवृतियों के नाते यहां इन दिनों अवयस्क हिंदू लड़कों पर ईशनिंदा के अनुचित आरोप जड़े जा रहे हैं, जिसकी परिणति हर बार जिहादी भीड़ द्वारा पुलिस बल के सामने इनकी नृशंस हत्या के रूप में घटनाएं सामने आ रही है।प्रदेश नेता रमेश निरंकारी नें कहा हिन्दू बांग्लादेश में भाईचारा के साथ रहते थे अब भाई हट गया है हिन्दू केवल चारा बन गये हैं हमारे प्रधान मंत्री मोदी जी का रुख ये नहीं चलेगा की एक तरफ हिन्दुओं के अत्याचार का विरोध तथा दूसरे तरफ बिजली सप्लाई, खाद्य सामग्री सप्लाई, और गैस सप्लाई हो रहा है इनको मेन लाइन बंद करनी पड़ेगी पाकिस्तान को भीखमाँगा होने में तीन साल लग गया बांग्लादेश तीन महीने में ही भीख माँगा हो जायेगा इस अवसर पर काफी सांख्य में व्यापारी गण उपस्थित थे जिसमे प्रमुख रूप से रमेश निरंकारी, विशेश्वर गंज व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय जायसवाल,संजय गुप्ता, गुंगीत बग्गा,दीप्तिमान देव गुप्ता अनुराग श्रीवास्तव, शरद गुप्ता, प्रभाकर जायसवाल, प्रिंस गुप्ता,सचिन मौर्या अम्बे सिंह, सुनील चौरसिया,कुंवर विजय प्रताप सिंह,राजीव वर्मा, अरविन्द जायसवाल, सुजीत चौरसियाराजन केसरी , शिव चौरसिया, सुजीत कुमार कसेरा, सुनील निगम शिवम् मौर्या, जित्तन चौधरी,हाजी शाहिद कुरैशी,राम बाबू निर्जला सिंह, सुमन पटेल इत्यादि लोग उपस्थित थे.

व्यूसोनिक ने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस मॉनिटर्स का अनावरण किया

मुंबई। विजुअल सॉल्यूशन्स में दुनिया की एक प्रमुख कंपनी व्यूसोनिक ने आज भारत में ह्यकलरप्रो अवाड्र्स 2024 एक्जीबिशन : मोमेंटम इवेंट में अपने नये मॉनिटर्स को प्रस्तुत किया। इन नये मॉनिटर्स में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और बेमिसाल परफॉर्मेंस की खूबियां हैं, जिन्हें खासतौर से क्रिएटिव प्रोफेशनल्स, आधुनिक वर्कस्पेस और गेमर्स के लिये बनाया गया है। इनकी प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं- एक एआई मॉनिटर, अल्ट्रा-फास्ट गेमिंग मॉनिटर्स और ऑटोमैटिक कलर कैलिब्रेशन के साथ एक 5ङ डिस्प्ले। इन्हें क्रिएटर्स, खासतौर से मैक यूजर्स के लिये डिजाइन किया गया है और ये सभी बेमिसाल विजुअल क्वालिटी और उन्नत प्रोडक्टिविटी देने में सक्षम हैं। व्यूसोनिक ने कलरप्रो अवाड्र्स की विजेता कलाकृतियों का भी प्रदर्शन किया, जो रचनात्मकता को सम्मान देती हैं और विजुअल्स की बेजोड़ अभिव्यक्ति पाने के लिए प्रेरित करती हैं। ये विशेष कलाकृतियाँ नवाचार और कला की भावना को दिखाती हैं, जिनसे स्थापित और नए क्रिएटिव्स दोनों को ही विजुअल कहानियों को नए तरीके से पेश करने की प्रेरणा मिलती है। इस इवेंट में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां चार श्रेणियों : फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, डिजिटल, और जनरेटेड आर्ट, में 2,500 से अधिक एंट्रीज प्राप्त हुईं। फोटोग्राफी श्रेणी में भारत का राइडर्स ऑफ द वॉल्कैनो तीसरे स्थान पर आया। व्यूसोनिक में मॉनिटर बिजनेस के जनरल मैनेजर ऑस्कर लिन ने कहा, हमें अपने नवीनतम मॉनिटर लाइनअप को पेश करते हुए बेहद खुशी हो रही है, यह व्यूसोनिक की नवाचार और उपयोगकर्ता-केंद्रित डिजाइन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दशार्ता है। आधुनिक कार्यस्थलों के लिए इंटेलीजेंट सेंसिंग वाले एआई मॉनिटर्स से लेकर अल्ट्रा-फास्ट गेमिंग डिस्प्ले और क्रिएटिव प्रोफेशनल्स के लिए तैयार किए गए अत्याधुनिक समाधान के साथ, इस रेंज को आज के यूजर्स की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। एआई और थंडरबोल्टजैसी उन्नत तकनीकों को शामिल करके, हम यूजर के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं तथा उत्पादकता और रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। संजय भट्टाचार्य, डायेक्टर-सेल्स एंड मार्केटिंग-आईटी डिविजन, व्यूसोनिक ने कहा भारत में कलरप्रो अवाड्र्स की पहली प्रदर्शनी आयोजित करने की हमें खुशी है, यह इसकी पांचवीं वैश्विक वर्षगांठ का हिस्सा है। यह हमारे भारतीय दर्शकों के लिए रचनात्मकता और नवाचार का उत्सव करीब लाने का एक खास मौका है। हम जो मॉनिटर लाइनअप पेश कर रहे हैं, उन्हें भारतीय उपयोगकताओं की रचनात्मक, व्यवसायिक और गेमिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

टाइगर्स ऑफ कोलकाता आयएसपीएल सीजन 2 में धमाल मचाने के लिए तैयार

मुंबई। बहुप्रतीक्षित इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग सीजन 2 की नीलामी 11 दिसंबर को मुंबई में हुई, जिसमें मौजूदा चैंपियन टाइगर्स ऑफ कोलकाता की नई टीम का ऐलान किया गया। 97.45 लाख रुपये में खरीदे गए 16 खिलाड़ियों की एक बेहतरीन टीम के साथ, टीम अपने खिताब की रक्षा करने और इस अनोखे टेनिस-बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। टाइगर्स ऑफ कोलकाता के मालिक, एस्पेक्ट स्पोर्ट्स ने नीलामी के दौरान एक ऐसी टीम बनाकर रणनीतिक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उभरती हुई जमीनी प्रतिभाओं का मिश्रण है। उनका सबसे महत्वपूर्ण निवेश वेस्ट जोन से आया, जहाँ उन्होंने रोस्टर को मजबूत करने के लिए छह होनहार खिलाड़ियों को हासिल किया। एस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स की कार्यकारी अध्यक्ष अक्षा कंबोज, जिन्होंने आईएसपीएल के पहले सीजन में टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, उन्हो ने नई टीम के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा, ₹कोलकाता के टाइगर्स कई जमीनी स्तर के खिलाड़ियों की उम्मीदों और सपनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारी नई टीम प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का एक मजबूत मिश्रण है, जो आईएसपीएल सीजन 2 की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। पिछले सीजन की सफलता ने हमें एक ठोस शुरूआत दी थी, और इस साल, हमारा लक्ष्य मानक को और ऊपर उठाना है। एस्पेक्ट स्पोर्ट्स जमीनी स्तर के खिलाड़ियों का समर्थन करने और महत्वाकांक्षी टीम के लिए कुछ खास बनाने के लिए समर्पित है।

नगर निगम के विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा

वसई। नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम के विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं को लेकर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नगर निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उक्त समीक्षा बैठक में नगर निगम के विभिन्न विभागों के माध्यम से नागरिकों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों के माध्यम से विधायक स्नेहा दुबे-पंडित को दिया गया। इसके साथ ही नगर निगम में चल रहे विकास कार्यों और नगर निगम की भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

विधायकों ने जल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, परिवहन, पर्यटन विकास, सर्वधर्म तीर्थ विकास, झील सौन्दर्यीकरण, चमगादड़ों के संरक्षण पर विस्तृत चर्चा कर नगर निगम अधिकारियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिये। जल के विषय में अमृत 2.0 योजना के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और हर घर जल मिशन योजना की तरह शहरी क्षेत्रों में हर घर में नल के माध्यम से जल पहुंचाना आवश्यक है। इसके लिए जल प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया वार्ड समितियों और चौक-चौराहों पर फ्लेक्स लगाकर लोगों तक कनेक्शन की जानकारी दी जाए। जल कनेक्शन और जलापूर्ति के संबंध में शिकायतों के लिए एक हेल्प लाइन नंबर बनाकर जनता तक पहुंचाया जाए और इसके लिए महीने में एक दिन भी तय किया जाए। जल संबंधी शिकायतों का निवारण, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 7 स्वास्थ्य केंद्र एवं 2 प्रस्तुतीकरण केंद्र एवं डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मी इसकी समीक्षा की गई और पोस्टमॉर्टम, शवगृह, वसई के पर्यटन स्थल, निर्मल तीर्थ, निर्मल झील, शंकराचार्य मंदिर, किला आदि जैसी उपयुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश दिए गए। साथ ही पापड़ी झील के सौंदर्यीकरण, वर्षा जल संचयन के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए इसमें उचित बदलाव करने का निर्देश दिया। पूर्व, पश्चिम और उत्तर वसई में बड़ी संख्या में कुएं और बोरिंग हैं। इस समीक्षा बैठक में माननीय आयुक्त रमेश मनाले, अपर आयुक्त संजय हेरवाडे, नगर निगम के सभी उपायुक्त, छह. आयुक्त एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित थे

बेस्टी एजुकेशन द्वारा नववर्ष के स्वागत में कवि सम्मेलन संपन्न

मुंबई। साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अंतर्राष्ट्रीय संस्था बेस्टी एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट दोहा-कतर के मुंबई इकाई के अध्यक्ष विनय शर्मा दीप के संयोजन में नववर्ष 2025 के आगमन एवं वर्ष 2024 की विदाई के उपलक्ष्य में यादगार अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।आयोजन संस्थापक डॉ बैजनाथ शर्मा मिन्टू एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्षा अफसाना सैयद ने किया।कवि सम्मेलन की अध्यक्षता मुंबई महानगर के समाजसेवी,उत्कृष्ट लेखक रामजीलाल वर्मा ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में नवी मुंबई से कवियत्री डॉ कनकलता तिवारी एवं कानपुर से आदित्य साहित्य साधना मंच की अध्यक्ष कनकलता गौर उपस्थित थी।मंच का संचालन कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप ने नववर्ष के आगमन एवं स्वागत पर सवैया से शुभारंभ किया।कार्यक्रम अध्यक्ष रामजीलाल वर्मा ने गायत्री मंत्र एवं प्रार्थना से शुभारंभ करते हुए अनुमति दी।उपस्थित साहित्यकारों में झारखंड से कवियत्री कविता झा, जौनपुर उत्तर प्रदेश से राजेश कुमार पांडे, बिलासपुर छत्तीसगढ़ से उषा श्रीवास वत्स, जौनपुर से कल्लू राम स्नेही,रविन्द्र कुमार शर्मा दीप, प्रमोद कुमार प्रेमी एवं रायबरेली से वरिष्ठ साहित्यकार जनवादी लेखक सुखराम शर्मा सागर उपस्थित थे।अंत में संस्थापक डॉ बैजनाथ शर्मा मिन्टू ने अपनी रचना सुनाते हुए उपस्थित सभी साहित्यकारों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रात भर गायब किशोरी को भोर में बदहवास हालत में मिला, मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के केराकत कोतवाली अंतर्गत थानागद्दी चौकी के बराई गांव के रमेश कुमार की 17 वर्षीय पुत्री सोनी कुमारी घर से खाना खा कर पास में रह रही नानी के घर जाने की बात कह घर से निकली। जबकि वह रात को नानी के घर नहीं पहुची। रात भर लड़की का कोई अता पता नहीं रहा। ग्रामीणों के अनुसार सुबह भोर में लड़की को कोई घर से के बगल नट बस्ती के पास छोड़ गया। सोनी काफी बदहवाश थी। जिसकी सूचना लड़की के माता को दी गई। आनन-फानन में लड़की को सिंधौरा चिकित्सालय ले गए। जहाँ हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी को बेहतर इलाज के लिए ले जाते वक्त रास्ते में सोनी ने दम तोड़ दिया। दबी जुबान में ग्रामीण ब्लात्कार होने की बात कह रहे हैं। मामले की जांच पुलिस कर रही है। मौके पर पुलिस डा0 अजय पाल शर्मा, एसपी सिटी अरविंद कुमार शर्मा समेत पुलिस फोर्स मौजूद रही।

चलती कार में अचानक लगी भीषण आग, देखते ही देखते जलकर हुई खाक

-प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज मार्ग स्थित सिद्दीकपुर एक पेट्रोल पम्प निकट सवारी से भरी चलती कार में देर रात अचानक आग लग गयी जिसके बाद अफरा तफरी का माहौल बन गया। आग लगते ही कार में बैठे सभी सवार तत्काल उतर कर बचाई अपनी जान। जैसे ही सभी लोग कार से उतरे की देखते ही देखते कार आग के गोले में तब्दील हो गई। चलती कार में अचानक लगी आग की सूचना पर मौके से पहुँची सरायख्वाजा पुलिस व अग्नि शमन विभाग की टीम आग बुझाने में जुटी। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक पूरी कार जलकर खाक हो चुकी थी। बताया जा रहा हैं कि कार शाहगंज की तरफ से चलकर जौनपुर की ओर आ रही थी कार जैसे ही सिद्दीकपुर पहुँची ही थी कि कार की बोनट में अचानक आग लग गयी। बोनट में आग लगते ही कार सवार सभी उतरकर अपनी जान बचाए। थाना प्रभारी सरायख्वाजा ने बताया कि ब्रेजा कार में अचानक आग लग गयी थी आग बुझाया गया, कोई जनहानि नहीं हुई हैं।

जमदाहा बाजार से सब्जी लेकर घर जाते समय अज्ञात वाहन धक्का लगने बुजुर्ग की मौत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय अंतर्गत ग्राम जमदहा में लालता बिंद पुत्र स्वर्गीय बल्ला बिंद उम्र करीब 65 वर्ष जमदाहा बाजार से सब्जी लेकर घर जाते समय अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार देने से उनके सर में काफी छोटे आए जिन्हें परिजनों द्वारा अस्पताल में ले जाया गया जहां आज चिकित्सकों द्वारा उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया गया जिसकी लिखित सूचना उनके पुत्र ओमप्रकाश बिंद के द्वारा थाना स्थानीय पर दी गई जिसके आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 259/24 धारा 281, 106 बीएनएस पंजीकृत कर विधि कार्रवाई की जा रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन

मेरठ(उत्तरशक्ति)। बांग्लादेश में हिंदु, सिख, बौद्ध धर्म के लोगों पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त है। अभी कुछ दिन पहले कई संगठनों ने कमिश्नर पर आंदोलन किया था। बुधवार को भी कई संगठनों ने कलक्ट्रेट में पहुंचकर प्रदर्शन किया और धरना दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग की गई है कि बांग्लादेश से भारत को सभी रिश्ते खत्म कर लेने चाहिए। हिंदू स्वाभिमान परिषद के अध्यक्ष पंडित अमित भारद्वाज, गुरु गोरखनाथ कामधेनू गोरक्षा सेवा समिति के पदाधिकारी बुधवार को कलक्ट्रेट पहुंचे।

कुरान से जुड़ाव ही कामयाबी का रास्ता: वसीम अहमद

-मोहम्मद अफजल

खेतासराय, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मदरसा तहफीज-उल-कुरान मानी कलां में गुरुवार को आयोजित एक विशेष समारोह में कुरान की अहमियत और इस्लामी शिक्षाओं पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदरसा संचालक मौलाना अब्दुल्लाह हलीमी ने की। शुरूआत कारी तबरेज की तिलावत से हुई। जिसके बाद मौलवी मुस्तैन ने नात पेश की। समारोह में प्रमुख वक्ता हजरत मौलाना साकिब अयाज कासमी ने कहा कि कुरान के दुश्मन कयामत तक इसे मिटाने में कामयाब नहीं हो सकते। कुरान को नष्ट करने की कोशिशें की जा सकती हैं। लेकिन इसे याद रखने वालों के दिलों से कोई मिटा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि कुरान के तीस पारे आज भी अक्षरशः लोगों के दिलों में सुरक्षित हैं। उन्होंने समाज में कुरान से दूर होने और इस कारण अपमानित होने की बात कही। उन्होंने कहा आज इंसानियत हमारे दिलों से खत्म हो गई है। एक मुसलमान का दर्द पूरी उम्मत को महसूस होना चाहिए।लेकिन फिलिस्तीन जैसे मुद्दों पर हमारी चुप्पी दशार्ती है कि हम अपनी जिम्मेदारियों से दूर हो गए हैं। इसके बाद जमीयत उलेमा हिंद जौनपुर के अध्यक्ष हजरत मौलाना वसीम अहमद शेरवानी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा,जिन बच्चों के सिर पर दस्तार-ए-फजीलत (सम्मान की पगड़ी) बंधी है। वे दुनिया और उसकी हर चीज से बेहतर हैं। ये बच्चे अपने माता-पिता के लिए भी गर्व का कारण बनेंगे। सफलता का असली रास्ता कुरान की शिक्षा से होकर गुजरता है। जो लोग कुरान की शिक्षा देते हैं।उनका समर्थन करना हमारा कर्तव्य है।कार्यक्रम का समापन हाफिज रशीदुद्दीन की दुआ के साथ हुआ। इस मौके पर हाफिज जमशेद, हाफिज सहमा, हाफिज मोअज्जम, मौलाना अख्तर, मौलाना हन्नान और हाफिज रिजवान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी के आगमन पर प्रयागराज में कक्षा 10 तक के स्कूल शुक्रवार को रहेंगे बंद

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर शुक्रवार यानी 13 दिसंबर को जिले भर के कक्षा दस तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त सभी स्कूलों पर लागू होगा। मोदी के आगमन के मद्देनजर ट्रैफिक डायर्जन के चलते बच्चों और शिक्षकों को स्कूल पहुंचने में होने वाली देरी के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। स्कूल भले ही बंद रहेंगे लेकिन पढ़ाई ऑनलाइन होगी। बृहस्पतिवार को बीएसए और डीआईओएस ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने जारी अपने आदेश में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन के मद्देनजर यातायात डायवर्जन के चलते परिषदीय, मान्यता प्राप्त, अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल और समस्त बोर्डों के अंग्रेजी और हिंदी माध्यम से संचालित कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में ऑफलाइन शिक्षण कार्य 13 दिसंबर को स्थगित रहेगा। ऑनलाइन शिक्षण गतिविधियां संचालित रहेंगी। इसका कड़ाईसे पालन किया जाएगा। इसी तरह डीआईओएस पीएन तिवारी ने भी आदेश जारी किया है।

बंद मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। आशापुर-मवइया स्थित एक बंद मकान से चोरों ने एसी, सिलिंडर सहित लाखों का सामान चोरी कर लिया। इस बाबत भुक्तभोगी ने गुरुवार को स्थानीय थाने पर तहरीर दे दी। पुलिस घटना स्थल